प्रधान संपादक : शिव श्रीवास्तव

भिलाई संस्करण

शनिवार 15 फरवरी 2025

वर्ष - 38, अंक - 225

पृष्ठ-8, मूल्य- 01 रूपए

डाक पंजीयन क्रं. छ.ग./दुर्ग/13/2024-26

आर.एन.आई. पंजी. क्रं. 54135/88

Email- srambindu@gmail.com
shrambindu@yahoo.in

दैनिक श्रमबिन्दु

38 वर्ष 1987-2024

भिलाई एवं रांची से एक साथ प्रकाशित समाचार पत्र...

खास खबर

आज तय हो जायेगा दुर्ग निगम का महापौर अल्का या प्रेमलता

श्रमबिन्दु / दुर्ग

दुर्ग निगम का महापौर आज परिणाम आने के साथ तय हो जायेगा। इसके साथ ही ईवीएम में कैद 59 वार्ड के पार्षद भी तय हो जायेगा। गत 11 फरवरी को हुए मतदान के पश्चात आज 15 फरवरी को भारती विश्वविद्यालय परिसर में ईवीएम गिनती की जावेगी। देखने यह कि नया महापौर कांग्रेस से या भाजपा से होगा। इससे ज्यादा उत्सुकता लोगों में यह है कि साहू बहुल्य दुर्ग निगम में परिणाम किस समाज के पक्ष में जाता है। यहां महापौर प्रत्याशी कूर्मी और साहू समाज से तालुकात रखते है। ज्ञात हो कि श्रीमती अल्का बाघमार भाजपा से और श्रीमती प्रेमलता साहू कांग्रेस से महापौर प्रत्याशी है।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल के खेत में चोरी, केबल वायर व पीतल की टोंटिया चुरा ले गए बदमाश

भिलाई। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल के कुरुदडीह स्थित खेत में चोरी का मामला सामने आया है। इस मामले में खेत की देख रेख करने वाले कर्मचारी ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। खेत से अज्ञात चोरों ने केबल वायर, पीतल की टोंटियां और बिजली का सामान पार किया। अमलेश्वर पुलिस ने मामले में अज्ञात के खिलाफअपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार अमलेश्वर थाना क्षेत्र के ग्राम कुरूदडीह में पूर्व मुख्यमंत्री भुपेश बघेल का कृषि फार्म हाउस है। नरोत्तम नाम का व्यक्ति फार्म की देखरेख करता है। कृषि फार्म में वर्तमान में धान बोआई का काम चल रहा है और सिंचाई के लिये फार्म हाउस के अंदर एक पक्का कमरा बना है। कमरे के अंदर में बिजली का बोर्ड लगा है जिसमें कटाउट एवं केबल वायर लगा हुआ है जिससे सिंचाई का काम किया जाता है, केबल वायर का मोटर पंप कुंआं के अंदर तक लगा हुआ है। नरोत्तम ने बताया कि 11 फरवरी को 5.30 बजे शाम तक मोटर पंप से सिंचाई का काम किया उसके बाद कमरा के बाहर ताला लगाकर अपने घर चला गया।

शिक्षा, आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक एकता से ही देश का विकास संभवः मुख्यमंत्री

श्रमबिन्दु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने खड़िया अनुसूचित जनजाति उत्थान समिति के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा किसी भी समाज की प्रगति का सबसे मजबूत आधार है। उन्होंने समाज के सभी प्रबुद्धजनों और युवाओं से शिक्षा को प्राथमिकता देने और अगली पीढ़ी को सही मार्गदर्शन देने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि जनजातीय समाज की वास्तविक प्रगति तब होगी जब शिक्षा, आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक एकता को समान रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।

वनवासी समाज के उत्थान के लिए सरकार के ठोस प्रयास

मुख्यमंत्री श्री साय ने वनवासी समाज के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी देते हुए बताया कि तेंदूपत्ता संग्रहण दर को ?4,000 से बढ़ाकर ?5,500 प्रति मानक बोरा कर दिया गया है, जिससे लाखों संग्राहकों को सीधा लाभ मिल रहा है। इसके अलावा 70 लाख माताओं-बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए महतारी वंदन योजना के तहत प्रति माह 1,000 की आर्थिक सहायता दी जा रही है। भूमिहीन कृषि मजदूरों के लिए दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत प्रत्येक वर्ष ?10,000 की सहायता राशि दी जा रही है, जिससे समाज के सबसे जरूरतमंद वर्ग को सीधा लाभ मिल रहा है।

13 महीनों में सरकार ने दिए विकास को नए आयाम

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार ने मात्र 13 महीनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटियों को जमीन पर उतार दिया है। उन्होंने बताया कि सरकार बनने के बाद पहली ही कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 लाख परिवारों को लाभान्वित करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए धान खरीदी की दर ?3,100 प्रति क्विंटल निर्धारित की गई है, जिससे पिछले दो खरीफ सीजन में किसानों को 21 क्विंटल प्रति एकड़ की दर से धान बेचने का लाभ मिला है। इस वर्ष प्रदेश में 149 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान खरीदी कर एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया गया है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है और आने वाले वर्षों में विकास की नई ऊंचाइयां देखने को मिलेंगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा और एकता से ही समाज, राज्य और देश की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने खड़िया समाज के ऐतिहासिक सफर की चर्चा करते हुए 2011 में समाज को अनुसूचित जनजाति वर्ग में शामिल करने के ऐतिहासिक निर्णय को याद किया और इसके लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम की शुरुआत में माता सरस्वती और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद तेलंगा खड़िया के छायाचित्र पर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर विधायक एवं सरगुजा क्षेत्र विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष श्रीमती गोमती साय, पूर्व विधायक श्री भरत साय, और समाज के प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित थे।

उन्होंने बताया कि यूपीएससी की तैयारी कर रहे जनजातीय युवाओं को अधिक अवसर देने के लिए दिल्ली के द्वारका स्थित ट्राइबल यूथ हॉस्टल में सीटों की संख्या 50 से बढ़ाकर 185 कर दी गई है। इसके अलावा, बच्चों की उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करने के लिए राज्य में 341 विद्यालयों को पीएमश्री योजना के अंतर्गत सम्मिलित किया जा रहा है, ताकि वे निजी स्कूलों के समान सुविधाओं का लाभ उठा सकें। विधायक श्रीमती गोमती साय ने कहा कि जो समाज शिक्षा, आर्थिक विकास और सामाजिक एकता पर बल देता है, वही उन्नति करता है। उन्होंने जनजातीय समाज के लोगों से एकजुट होकर आगे बढ़ने का आह्वान किया, जिससे हर वर्ग का समग्र विकास संभव हो सके। सभा में उपस्थित सभी लोगों ने जनजातीय समाज की शिक्षा, रोजगार और सामाजिक उत्थान के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया।

आने वाली पीढ़ियां पुलवामा के नायकों का बलिदान नहीं भूलेंगी : पीएम मोदी

श्रमबिन्दु / नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पुलवामा हमले की छठी बरसी पर वीर जवानों की शहादत को याद किया। पीएम मोदी ने कहा कि शहीदों के राष्ट्र के प्रति समर्पण को कभी भी भूला नहीं जा सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी भावनाओं को सोशल मीडिया साइट एक्स पर व्यक्त किया। इसमें उन्होंने लिखा, 2019 में पुलवामा में हमने जिन साहसी नायकों को खो दिया, उन्हें श्रद्धांजलि। आने वाली पीढ़ियां उनके बलिदान और राष्ट्र के प्रति उनके अटूट समर्पण को कभी नहीं भूलेंगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा कि आज ही के दिन 2019 में भारत ने पुलवामा में एक आतंकवादी हमले में सीआरपीएफ के वीर जवानों को खो दिया था। देश के लिए उनका बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और उनके परिवारों के प्रति अपना समर्थन प्रकट करता हूं। भारत जवानों की वीरता का सम्मान करने के लिए एकजुट है और आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई में दृढ़ हैं।

इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी पुलवामा हमले के शहीदों को नमन करते हुए लिखा, साल 2019 में आज के ही दिन पुलवामा में हुए कायराना आतंकी हमले में वीरगति को प्राप्त हुए जवानों को कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। आतंकवाद समूची मानव जाति का सबसे बड़ा दुश्मन है और इसके खिलाफ पूरी दुनिया संगठित हो चुकी है। चाहे सर्जिकल स्ट्राइक हो या एयर स्ट्राइक, मोदी सरकार आतंकवादियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति से अभियान चलाकर उनके समूल नाश के लिए संकल्पित है।

बता दें कि 14 फरवरी 2019 को ही जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सीआरपीएफ के जवानों के काफिले पर आत्मघाती हमला हुआ था। इस हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए थे। सीआरपीएफ के जवानों पर जब यह हमला हुआ था।

रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार हुआ खरसिया रेंजर...

श्रमबिन्दु / रायगढ़

रायगढ़ जिले के खरसिया में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने वन विभाग के रेंजर टीपी वस्त्रकार को 15,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। रेंजर पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जमीन उपलब्ध कराने के एवज में रिश्वत मांगने का आरोप है।

खड़गांव सरपंच बजरंग लाल राठिया ने एंटी करप्शन ब्यूरो में शिकायत दर्ज कराई थी कि रेंजर वस्त्रकार ने 25,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। सरपंच ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्राम खड़गांव में शासकीय भूमि का चयन किया गया था और इसे आवासीय भूमि में बदलने के लिए कलेक्टर को आवेदन दिया गया था। कलेक्टर ने वन विभाग को स्थल निरीक्षण कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया, लेकिन रेंजर टीपी वस्त्रकार ने रिपोर्ट भेजने के बदले रिश्वत की मांग की।

शिकायत की पुष्टि के बाद 14 फरवरी को एसीबी ने योजना बनाकर प्रार्थी को 15,000 रुपये लेकर रेंजर के पास भेजा। जैसे ही सरपंच ने खरसिया रेस्ट हाउस में रेंजर वस्त्रकार को रिश्वत की रकम सौंपी, पहले से घेराबंदी में लगी एसीबी की टीम ने उन्हें रंगे हाथ पकड़ लिया।

रेंजर वस्त्रकार के खिलाफएसीबी ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 के तहत मामला दर्ज किया है। गिरफ्तार रेंजर को रायगढ़ न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई से सरकारी तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ एक महत्वपूर्ण संदेश गया है, और एसीबी द्वारा आगे भी ऐसे मामलों पर सख्त नजर रखी जाएगी।

आरबीआई ने लगाया प्रतिबंध

न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक से पैसा निकालने और जमा करने पर लगी रोक

श्रमबिन्दु / नई दिल्ली

आरबीआई ने सुपरवाइजरी चिंताओं के बीच मुंबई स्थित न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक पर कई प्रतिबंध लगा दिए, जिनमें जमाकर्ताओं के पैसे निकासी पर भी प्रतिबंध शामिल है. इसके बाद मुंबई स्थित न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक के बाहर लोगों की कतारें देखी गईं, क्योंकि चिंतित ग्राहक अपना पैसा निकालना चाहते है.

मुंबई के अंधेरी में विजयनगर शाखा के बाहर खाताधारकों की भीड़ उमड़ पड़ी है. ग्राहक इस बात को लेकर असमंजस में हैं कि उन्हें अपना पैसा कब मिलेगा. कुछ लोगों ने तो यहां तक कहा कि बैंक उनके सवालों का जवाब नहीं दे रहा है और यहां तक कि इसकी ग्राहक सहायता सेवाएं और ऐप भी काम नहीं कर रहे हैं.

बैंक के बाहर जमा हुए लोगों में से ज्यादातर वरिष्ठ नागरिक हैं. बैंक अधिकारियों ने कतार में खड़े लोगों को कूपन दिए हैं. उनके अनुसार, ग्राहक इन कूपन का इस्तेमाल अपने लॉकर तक पहुंचने के लिए कर सकते हैं.

न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक, मुंबई को दिए गए भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देश गुरुवार को कारोबार की समाप्ति से लागू हो गए तथा छह महीने की अवधि तक लागू रहेंगे तथा समीक्षा के अधीन होंगे.

न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक पिछले दो वित्तीय वर्षों से घाटे से जूझ रहा है. बैंक की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार मार्च 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष में बैंक को 227.8 मिलियन रुपये का घाटा और वित्त वर्ष 2023 में 307.5 मिलियन रुपये का घाटा होने का अनुमान है।

जल्द दौड़ेगी रायपुर से अभनपुर तक ट्रेन

रायपुर। 8 सालों के लंबे इंतजार के बाद राजिमवासियों के लिए खुशखबरी सामने आई है। अब एक बार फिर से यहां ट्रेनों की आवाज सुनाई देगी। रेलवे प्रशासन ने रायपुर से अभनपुर तक की पटरियों की जांच पूरी कर ली है और अब शुक्रवार से राजिम तक पटरियों का परीक्षण किया जाएगा। छोटी रेल लाइन खत्म होने के बाद पहली बार यहां ट्रेन पहुंचेगी। ट्रेन सेवा का शुरू होना न केवल राजिम, बल्कि आसपास के क्षेत्रों के लिए भी सुविधाजनक होगा। यह ट्रेन लोगों के परिवहन को आसान बनाएगी और समय की बचत भी करेगी। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि पटरियों का परीक्षण और जांच के बाद ट्रेन की आवाजाही शुरू करने का प्रयास किया जाएगा। यह सिर्फ राजिम के लिए ही नहीं, बल्कि आसपास के यात्रियों के लिए भी एक बड़ी सौगात होगी। लंबे समय तक सड़क यातायात में होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी।

छत्तीसगढ़ खनिज संसाधनों के मामले में अपार संभावनाओं वाला राज्य - सचिव पी. दयानंद

श्रमबिन्दु / रायपुर

संचालनालय भौमिकी एवं खनिकर्म, छत्तीसगढ़ द्वारा बस्तर के बैलाडीला क्षेत्र के लौह अयस्क ब्लॉकों की नीलामी को लेकर आज नवा रायपुर के न्यू सर्किट हाउस स्थित कन्वेंशन हॉल में 'प्री-बिड कॉन्फ्रेंस' का आयोजन किया गया। इस बैठक में देशभर से आए खनन निवेशकों और बोलीदाताओं ने भाग लिया, जहां नीलामी प्रक्रिया, निवेश अवसरों, और खनिज संसाधनों पर विस्तृत चर्चा हुई।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में स्थित तीन विश्व स्तरीय लौह अयस्क ब्लॉक एवं उत्तर बस्तर कांकेर के एक ब्लॉक की नीलामी प्रक्रिया पर चर्चा की गई। खनिज विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर दिए और ई-नीलामी प्रक्रिया को विस्तार से समझाया।

खनिज विभाग के सचिव श्री पी. दयानंद ने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज संसाधनों के मामले में अपार संभावनाओं वाला राज्य है, जो उद्योग, व्यापार, और रोजगार के क्षेत्र में व्यापक विकास का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने में छत्तीसगढ़ की भूमिका अहम होगी, क्योंकि यहां उच्च गुणवत्ता वाले लौह अयस्क के विशाल भंडार उपलब्ध हैं।

उन्होंने बोलीदाताओं को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए आश्वस्त किया कि सरकार उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि बैलाडीला क्षेत्र भारत के इस्पात उद्योग की रीढ़ है और इस क्षेत्र के विकास से स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार में व्यापक वृद्धि होगी।

जीएसआई (त्रस्द्ध) के डिप्टी डायरेक्टर जनरल श्री अमित धारवड़कर ने बताया कि छत्तीसगढ़ देश का दूसरा सबसे समृद्ध खनिज संपन्न राज्य है। उन्होंने कहा कि बैलाडीला से दल्लीराजहरा तक फैला लौह अयस्क क्षेत्र विश्व के महत्वपूर्ण लौह अयस्क भंडारों में गिना जाता है, जो भारत के इस्पात उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

संचालनालय भौमिकी एवं खनिकर्म के संचालक श्री सुनील कुमार जैन ने नीलामी प्रक्रिया और लौह अयस्क ब्लॉकों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 2030 तक देश में स्टील उत्पादन बढ़ाने के लिए कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है।

संयुक्त संचालक एवं नोडल अधिकारी अनुराग दीवान ने कहा कि छत्तीसगढ़ औद्योगिक निवेश के लिए सबसे उपयुक्त राज्यों में से एक है और विकसित भारत 2047 की परिकल्पना को साकार करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

नीलामी प्रक्रिया के तहत 27 फरवरी 2025 तक दोपहर 3 बजे तक ऑनलाइन टेंडर डॉक्युमेंट खरीदे जा सकते हैं। 28 फरवरी 2025 तक दोपहर 3 बजे तक टेंडर सबमिट करने की अंतिम तिथि है। इच्छुक बोलीदाता नवा रायपुर स्थित संचालनालय भौमिकी एवं खनिकर्म, इंद्रावती भवन, ब्लॉक-4, द्वितीय तल पर जाकर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। प्री-बिड कॉन्फ्रेंस में देशभर के खनन कंपनियों, औद्योगिक समूहों और निवेशकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छत्तीसगढ़ के बैलाडीला क्षेत्र में स्थित लौह अयस्क भंडारों की उच्च गुणवत्ता और निवेश के अनुकूल वातावरण को देखते हुए नीलामी प्रक्रिया को लेकर सकारात्मक रुझान देखने को मिला। यह आयोजन छत्तीसगढ़ को खनन और इस्पात उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 648 जयंती मनाई गई

श्रमबिन्दु / भिलाई

छः ग मूल निवासी संघ व बाबासाहेब प्रतिमा प्रबंध समिति द्वारा संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती दिनांक 12 फरवरी 2025 दिन बुधवार अंबेडकर चौक पावर हाउस भिलाई में संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 648 जयंती मनाई गई , सर्वप्रथम बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी पर मूर्ति पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण कर संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के छायाचित्र पर भी माल्यार्पण कर पुष्प अर्पीत किए ।

प्रमुख्य वक्ताओं दशरथ अहिरवार, बालाराम कोलते द्वारा संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के बारे में बताया गया कि आज से 600 साल पहले समाज सुधार की दिशा में उन्होंने क्रांतिकारी कदम उठाया। पाखंड और अंधविश्वास का घोर विरोध किया उन्होंने समाज में क्रांतिकारी की भूमिका निभाई इस कार्य क्रम के प्रमुख्य अतिथि समाज सेवक रायपुर से अभिषेक वर्मा, सुनील कुमार रामटेके जी पीएसयू एससी एसटी सेल अध्यक्ष, प्रभु नाथ बैठा उपाध्यक्ष राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रजक समाज, वरिष्ठ समाजसेवी सुजाता रामटेके, नदिया भूषण बहुजन समाज सेवी, अजीत कुमार ,चंद्रशेखर गंवई एम आई सी मेंबर पार्षद उपस्थित हुए

प्रमुख अतिथि सुनील रामटेके ने कहा की आने वाले समय पर रविदास जयंती कार्यक्रम पर भव्य शोभा यात्रा शहर के प्रमुख स्थानों से निकलकर अंबेडकर चौक पर सभा के रुप मे समाप्त होगी। क्योंकि गुरु रविदास जी संतों में शिरोमणि की उपाधि प्राप्त है और उनकी जयंती पर भव्य कार्यक्रम होना चाहिए कार्यक्रम को प्रभुनाथ बैठा, चंद्रशेखर गवई ने संबोधित किया और रविदास जी की जीवनी पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम संयोजक मनोज चौधरी, दशरथ अहिरवार जिला उपाध्यक्ष मूलनिवासी संघ, मुकेश कुमार जिला अध्यक्ष बामसेफ , बाला राम कोलते, छोटू रामटेके , यशवंत रामटेके, सिद्धार्थ बोरकर, चीन केशलु, लाल बाबू बैठा, निरंजन हजारे, भागवत संडे, प्रकाश चौधरी ,सुरेश चौधरी, राजेश गजभिए ,राजेश चौरे, ,सुभाष चौहान ,तरुण दास ,ओ पी जोश कुमार भारद्वाज, लक्ष्मण राम ,विक्की ,राजकुमार राजभर, गजेंद्र सिंह ,रामप्यारी फौजी ,दीनानाथ सहित राम ,ललित वर्मा ,रोशन वैसे ,विलास रामटेक ,एचपी नंदा गंगवाल, शिवचरण पटवाने प्रकाश कुमार, विनोद कुमार, भारत ,प्रकाश चौधरी ,गौतम खोबरागड़े ,उमेश राम ,राम देव कुमार रजक, अली हुसैन सिद्दीकी ,सत्येंद्र कुमार रजक ,सूरज रजक इत्यादि सैकड़ो लोग मौजूद रहे । कार्यक्रम का संचालन सुभाष मेश्राम व आभार प्रदर्शन मनोज चौधरी ने किया।

[खास खबर]

पंचायत चुनाव के लिए रिटर्निंग अधिकारी और सेक्टर अधिकारियों को दायित्वों की दी जानकारी

श्रमबिन्दु / जगदलपुर

जगदलपुर। बस्तर जिला प्रशासन ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियां पूरी कर ली है।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी हरिस एस ने बताया है कि त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के तहत जिले में तीन चरणों में निर्वाचन की प्रकिया की जा रही है। पहले चरण में 17 फरवरी को जगदलपुर और दरभा में और दूसरे चरण में 20 फरवरी को बस्तर और लोहाड़ीगुड़ा में तथा तीसरे चरण में 23 फरवरी को बकावंड, बास्तानार एवं तोकापाल में निर्वाचन की प्रक्रिया होगी। इस निर्वाचन में मतदान बैलेट पेपर से होगी, साथ ही मतगणना भी मतदान केंद्र में ही किया जाएगा। इसके लिए सभी सेक्टर अधिकारी अपने मतदान दलों को प्रोत्साहित कर रखें, सभी आवश्यक प्रपत्रों में सही जानकारी भरवाएं। साथ ही सभी मतदान दल पूरी मतगणना उसी मतदान केंद्र में करवाकर ही आना सुनिश्चित करें। अंदरूनी क्षेत्र के मतदान केंद्रों या संवेदनशील केंद्रों पर विशेष सतर्कता के साथ करवाएं। सभी सेक्टर अधिकारी क्षेत्र के कार्यपालिक मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारियों का सम्पर्क नम्बर जरूर रखें। इसके अलावा मतदान दलों की जरूरी व्यवस्था को सुनिश्चित करवाएं। वाहनों की व्यवस्था के लिए रूट चार्ट के आधार पर कार्ययोजना के साथ व्यवस्था किया जाए। महिला कर्मचारियों की व्यवस्था पर चर्चा किया गया। मतदान केन्द्र की मूलभूत व्यवस्था को सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने बैठक में जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य, सरपंच एवं पंच के मतपत्र की स्थिति और रिजर्व दल की व्यवस्था की भी समीक्षा की। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण वर्मा ने सेक्टर अधिकारियों को आवश्यक जानकारी भी दी। मास्टर ट्रेनर्स द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के लिए मतदान एवं मतगणना के दौरान आवश्यक पत्रकों को भरने के संबंध में जानकारी दी गई। वहीं सेक्टर अधिकारियों को मतदान केन्द्रों की मूलभूत सुविधा की व्यवस्था सुनिश्चित करवाने सहित रिटर्निंग अधिकारी एवं सेक्टर अधिकारियों को उनके दायित्वों के संबंध में जानकारी दी गई। इस बैठक में त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के सभी रिटर्निंग अधिकारी और सेक्टर अधिकारी उपस्थित थे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने गर्डदा गुड़ीपारा में किया जनसंपर्क

श्रमबिन्दु / जगदलपुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने बस्तर जिला पंचायत के गर्डदा गुड़ीपारा वार्ड क्रमांक 14 से सदस्य पद हेतु योगेश बैज के समर्थन में जनसंपर्क किया। दीपक बैज ने क्षेत्र की जनता से योगेश बैज को ज्यादा से ज्यादा मतों से विजयी बनाने हेतु आग्रह किया।

चायनीज मांझे का कहर जारी, बुजुर्ग की गंभीर चोटें, अस्पताल में इलाज जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में चायनीज मांझे का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा घटना में, चायनीज मांझे की चपेट में आने से एक 61 वर्षीय बुजुर्ग स्कूटी सवार का मुंह और अंगूठा बुरी तरह से कट गया। घायल बुजुर्ग को गंभीर हालत में अंबेडकर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती किया गया है। जानकारी के अनुसार, गुरुवार को अमलीडीह निवासी होमराज ब्राह्मणकर स्कूटी से एक्सप्रेस-वे से रेलवे स्टेशन की तरफ जा रहे थे, तभी पंडरी क्षेत्र में चायनीज मांझे में फंसकर वे घायल हो गए। उन्हें पहले पंडरी जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें अंबेडकर अस्पताल रेफर किया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

बकावंड जनपद पंचायत में हुआ है बड़ा फर्जीवाड़ा

जनपद अध्यक्ष और पूर्व सीईओ ने बोर, वाटर फिल्टर और टैंकर के नाम पर हजम कर लिए 15वें वित्त के करोड़ों रुपए

श्रमबिन्दु / अर्जुन झा

बकावंड। कांग्रेस शासनकाल के दौरान जनपद पंचायत बकावंड के सीईओ ने पंचायत सचिवों और सरपंचों के कंधों का सहारा लेकर करोड़ों का भ्रष्टाचार किया ही था, और अब जाते जाते भाजपाई जनपद अध्यक्ष के साथ मिलकर बिना काम कराए ही करोड़ों के वारे न्यारे कर दिए हैं। ग्राम पंचायतों में बोर कराने, वाटर फिल्टर लगाने, पानी टैंकर उपलब्ध कराने के नाम पर 15वें वित्त की करोड़ों की राशि चट कर गए हैं। भाजपाई जनपद अध्यक्ष धनुर्जय कश्यप और पूर्व सीईओ एसएस मंडावी ने जो खेल खेला है, उसे जानकर क्षेत्र की जनता हैरान है और भाजपा सरकार पर थू थू कर रही है।

छत्तीसगढ़ और जनपद पंचायत बकावंड भले ही भारतीय जनता पार्टी की सत्ता आ गई है, मगर भ्रष्टाचार से जनपद पंचायत का पीछा नहीं छूट पा रहा है।जनपद पंचायत में भाजपा के नेता महत्वपूर्ण पद पर आसीन हो गए हैं और कांग्रेसी ढर्रे पर चलते हुए मलाई खाने में मगन हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी न खाऊंगा, न खाने दूंगा के सिद्धांत पर चलते हुए निस्वार्थ भाव से देशवासियों की सेवा कर रहे हैं, मगर जनपद पंचायत

बकावंड में मोदी सरकार के भेजे रुपयों की उन्हीं की पार्टी के जनपद अध्यक्ष धनुर्जय कश्यप ने पूर्व के बदनाम सीईओ एसएस मंडावी के साथ मिलकर बंदरबांट कर ली है। जनपद अध्यक्ष ने अपनी पार्टी की प्रतिष्ठा का बिल्कुल भी ख्याल नहीं रखा है। वे मौका मिलते ही भ्रष्ट अधिकारियों से हाथ मिलाकर अपना स्वार्थ पूरा करने में लग गए हैं।विधानसभा चुनाव में बीजेपी सत्ता में आई और जनपद अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठे कांग्रेसी को हटाकर जनपद सदस्य धनुर्जय कश्यप ने कब्जा जमा लिया।

नए अध्यक्ष ने पद सम्हालते ही कहा कि विकासखंड में भ्रष्टाचार में संलिप्त सभी कर्मियों को सुधार दिया जाएगा। इससे लोगों में उत्साह जागा कि नई सरकार में उत्साही नए जनपद अध्यक्ष दोषियों पर कार्रवाई करवाएंगे और ग्राम पंचायतों सरकारी धन का दुरूपयोग रोकते हुए जनहित के कार्य करवाएंगे।

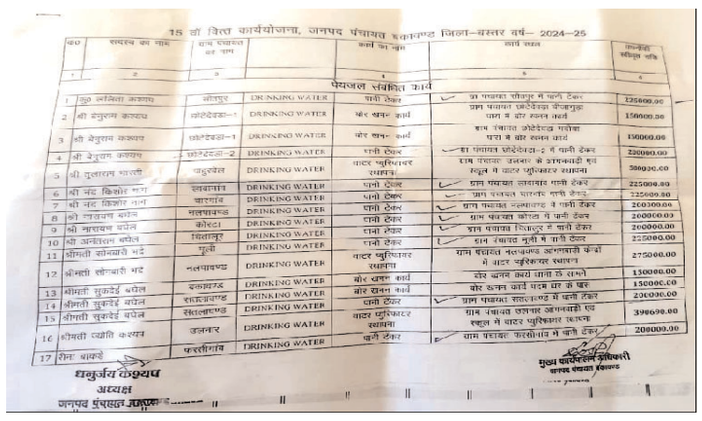

15 वीं वित्त कार्ययोजना, जनपद पंचायत बकावण्ड जिला–बस्तर वर्ष– 2024–25

क्र0	सरपंच का नाम	ग्राम पंचायत का नाम		कार्य का नाम	कार्य स्थल	राशि
1	2	3		4	5	6
				पेयजल संबंधित कार्य		
1	पु0 लक्ष्मिता कश्यप	मोरपुर	DRINKING WATER	पानी टैंकर	ग्राम पंचायत मोरपुर में पानी टैंकर	125000.00
2	श्री देवुराम कश्यप	छोटेदेवड़ा–1	DRINKING WATER	बोर खनन कार्य	ग्राम पंचायत छोटेदेवड़ा मोरपुरुका पारा में बोर खनन कार्य	150000.00
3	श्री देवुराम कश्यप	छोटेदेवड़ा–1	DRINKING WATER	बोर खनन कार्य	ग्राम पंचायत छोटेदेवड़ा नारोका पारा में बोर खनन कार्य	150000.00
4	श्री देवुराम कश्यप	छोटेदेवड़ा–2	DRINKING WATER	पानी टैंकर	ग्रा पंचायत छोटेदेवड़ा–2 में पानी टैंकर	220000.00
5	श्री दुलारम भारती	नहुरबेल	DRINKING WATER	वाटर फ्यूरिफायर स्थापना	ग्राम पंचायत उलनार के प्राथमिकाही शा स्कूल में वाटर फ्यूरिफायर स्थापना	300000.00
6	श्री नंद किशोर नाग	लावागांव	DRINKING WATER	पानी टैंकर	ग्राम पंचायत लावागांव पानी टैंकर	225000.00
7	श्री नंद किशोर नाग	चारगांव	DRINKING WATER	पानी टैंकर	ग्राम पंचायत चारगांव में पानी टैंकर	225000.00
8	श्री लखमन बघेल	नलपावण्ड	DRINKING WATER	पानी टैंकर	ग्राम पंचायत नलपावण्ड में पानी टैंकर	260000.00
9	श्री नारायण बघेल	कोरटा	DRINKING WATER	पानी टैंकर	ग्राम पंचायत कोरटा में पानी टैंकर	200000.00
10	श्री अनंतराम बघेल	पितानूर	DRINKING WATER	पानी टैंकर	ग्राम पंचायत पितानूर में पानी टैंकर	200000.00
11	श्रीमती सोनमती भंडे	मूली	DRINKING WATER	पानी टैंकर	ग्राम पंचायत मूली में पानी टैंकर	225000.00
12	श्रीमती सोनबारी भंडे	नलपावण्ड	DRINKING WATER	वाटर फ्यूरिफायर स्थापना	ग्राम पंचायत नलपावण्ड केन्द्री में वाटर फ्यूरिफायर स्थापना	275000.00
13	श्रीमती सुकदेई बघेल	बकावण्ड	DRINKING WATER	बोर खनन कार्य	बोर खनन कार्य पारा के सामने	150000.00
14	श्रीमती सुकदेई बघेल	रसपालवण्ड	DRINKING WATER	बोर खनन कार्य	बोर खनन कार्य पटेल घर के घर	150000.00
15	श्रीमती सुकदेई बघेल	रसपालवण्ड	DRINKING WATER	पानी टैंकर	ग्राम पंचायत रसपालवण्ड में पानी टैंकर	200000.00
16	श्रीमती ज्योति कश्यप	उलनार	DRINKING WATER	वाटर फ्यूरिफायर स्थापना	ग्राम पंचायत उलनार आंगनवाड़ी एवं स्कूल में वाटर फ्यूरिफायर स्थापना	390000.00
17	रोमन बाफरे	फरसीगांव	DRINKING WATER	पानी टैंकर	ग्राम पंचायत फरसीगांव में पानी टैंकर	200000.00

धनुर्जय कश्यप
अध्यक्ष
जनपद पंचायत बकावण्ड

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत बकावण्ड

मगर यह आस जल्द टूट गई। कांग्रेस शासन के दौरान बकावंड क्षेत्र के भजपाई जिला पंचायत सदस्य और जनपद सदस्यों ने लामबंद होकर कांग्रेस कार्यकाल में हुए भ्रष्टाचार और उसमें लिप्त जनपद सीईओ को हटवाने के लिए मुहिम चलाई थी।

मगर यह मुहिम बेअसर रही। इसके बाद जब इन लोगों ने सीईओ की कुंडली खंगाली पता चला कि सरकार बदलने के बाद भी पुराना ढर्रा ही चल रहा है केवल जनपद अध्यक्ष ही नए हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 15वीं वित्त कार्ययोजना 2024 के तहत दर्जनों ग्राम पंचायतों में सरपंच सचिवों के माध्यम से करोड़ों रुपए का आहरण फर्जी कार्यों के आधार पर किया गया है। ग्राम पंचायतों में बोर कराने, वाटर फिल्टर लगवाने, पानी टैंकर उपलब्ध कराने आदि के नाम पर करोड़ों रुपए हजम कर लिए गए हैं।जैसे पानी टैंकर जिस आधार पर नलपावंड, मूली, कोरटा, लावागांव समेत दर्जनों ग्रामपंचायतों में ऐसे कार्य कराना बताकर अपने खास फर्म के नाम से भुगतान कर बड़ा गोलमाल किया गया है। उलनार, फरसी समेत अन्य गांवों में वाटर प्यूरीफायर की सप्लाई बताकर भी इसी प्रकार का गोलमाल किया गया है। नाली सफाई, पुलिया निर्माण के नाम पर भी जरूरत से ज्यादा भ्रष्टाचार कर जनपद अध्यक्ष धनुर्जय कश्यप और पूर्व मुख्य कार्यपालन अधिकारी एसएस मंडावी द्वारा भुगतान हेतु आदेश दिए गए हैं। इस कार्य योजना में जनपद सदस्यों की अनदेखी कर अध्यक्ष कश्यप और सीईओ मंडावी ने फर्जीवाड़े को अंजाम दिया है। जिस उम्मीद से बीजेपी ने बकावंड जनपद अध्यक्ष पद पर धनुर्जय कश्यप को मौका देकर कांग्रेस कार्यकाल में हुए भ्रष्टाचार सामने लाने का प्रयास किया था, वह सफल नहीं हो पाया। बल्कि नए अध्यक्ष ने जनपद सीईओ के साथ मिलकर पुराना खेल यथावत जारी रखा। अब जिला पंचायत के चुनाव और जनपद के चुनाव लड़ रहे बीजेपी समर्थित प्रत्याशियों का कहना है अब वे आखिर किस मुंह से जनता के सामने वोट मांगने सामने जाएं?

दिए हैं जांच के निर्देश

जनपद पंचायत बकावंड में हुई गड़बड़ी के मामले में सीईओ को जांच कर रिपोर्ट पेश करने कहा गया है। रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी

–ऋषिकेश तिवारी,
एसडीएम, बकावंड

चुनाव के बाद करेंगे जांच

अभी पंचायत चुनाव हो रहे हैं, चुनाव निपटते ही जांच कर वरिष्ठ अधिकारी को रिपोर्ट भेज दी जाइगी।

– परमेश्वर कुर्रे,
सीईओ, जनपद पंचायत बकावंड

लोक निर्माण विभाग में फिर लगा ठेकेदारों के भुगतान पर ग्रहण, करोड़ों की अदायगी अटकी

रूरल रोड प्रोजेक्ट-2 के कार्यों पर विपरीत असर, नए इएनसी की नियुक्ति के बाद भी नहीं बदला ढर्रा

श्रमबिन्दु / अर्जुन झा

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ शासन के लोक निर्माण विभाग के शीर्ष अधिकारी इंजीनियर इन चीफको भले ही बदल दिया गया है, मगर विभाग के कामकाज का ढर्रा नहीं बदल पा रहा है। विभाग के ठेकेदारों के भुगतान पर फिर ग्रहण लग गया है। ठेकेदारों के करोड़ों का भुगतान रोक दिया गया है। इसके चलते बस्तर जैसे नक्सल प्रभावित संभाग समेत प्रदेश के तमाम जिलों में सड़क व अन्य निर्माण कार्यों पर प्रतिकूल असर पड़ने का खतरा पैदा हो गया है।

प्रदेश में सड़कों का जाल बिछाने केंद्र और राज्य सरकारें छत्तीसगढ़ में कई योजनाओं के माध्यम से ऐसे विकास एवं निर्माण कार्यों को गति दे रही हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना सहित कई अन्य योजनाओं के जरिए गांवों में विकास की किरण पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। आर आर पी–2 यानि रूरल रोड प्रोजेक्ट –2 भी इनमें शुमार है, जो केवल बस्तर के लिए लागू है।

रूरल रोड प्रोजेक्ट 2 के माध्यम से बस्तर के सुदूर ग्रामीण अंचल, धुर नक्सल प्रभावित इलाकों में सड़क निर्माण कराया जाना है। इसकी जिम्मेदारी प्रदेश के लोक निर्माण विभाग को दी गई है। पिछले सत्र से लेकर 2023–24 तक आरआरपी 2 के कार्य से सुचारु रूप से चलाए जाते रहे, लेकिन वर्तमान सत्र में करीब 1 माह से इस योजना के कार्य करा रहे ठेकेदारों को भुगतान प्राप्त करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बस्तर संभाग के दर्जनों ठेकेदार जो आरआरपी 2 योजना के माध्यम से सड़क निर्माण कार्य में लगे है, उन्हें उनके कार्यों के भुगतान प्राप्त करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई भुक्तभोगी ठेकेदारों के अनुसार इसके पूर्व भुगतान हेतु एक तय प्रक्रिया बनी थी, जो इंजीनियर इन चीफ की देख रख में सीधे कार्य करती थी। इसके तहत पात्र ठेकेदारों को समय पर भुगतान हो जाता था। इससे ठेकेदार अपने कार्यों को समयावधि में पूरा करके सरकार की सड़क निर्माण योजना में सहायक बनते थे। ठेकेदारों से जुड़े कामगारों को भी पारिश्रमिक राशि के साथ ही मटेरियल सप्लायरों को भी राशि समय पर मिल जाती थी। नए इएनसी ने पुरानी प्रक्रिया को बंद कर नए नियम बना दिए हैं। अब किस प्रक्रिया के तहत भुगतान होगा, कब होगा यह तय नहीं है। इसे लेकर ठेकेदार पशोपेश में पड़ गए हैं। लोक निर्माण विभाग के अन्य अधिकारी इस मामले पर कुछ कहने को तैयार नहीं हैं। दर्जनों ठेकदारों के 300 करोड़ से लेकर 500 करोड़ रुपए तक अटकी राशि का कब भुगतान होगा, यह बड़ा मसला बन गया है। ठेकेदार इस बात को लेकर बहुत परेशान हैं कि वे अपने अधीनस्थ कार्य करने वालों को भुगतान कहां से और कैसे करें। बस्तर के कुछ जनप्रतिनिधियों का कहना है कि अधिकारियों की हठधार्मिता के कारण बस्तर का विकास अवरुद्ध हो रहा है और सरकार की बदनामी हो रही है।बस्तर जैसे नक्सल प्रभावित इलाके में जान माल को दांव पर लगाकर कार्य कराने वाले ठेकेदार अधिकारियों की तुगलकी फरमान से काफी परेशान हैं।

जल्द होगा समाधान

भुगतान को लेकर कुछ विभागीय पेचीदगियां हैं, जिन्हें दूर करने की कोशिश चल रही है। समस्या का जल्द समाधान कर लिया जाएगा।

–श्री भतपहरी,
इएनसी, लोक निर्माण विभाग,
छग शासन

स्कूलों में बेहतर परीक्षा परिणाम लाने की जानदार कोशिश कर रहे हैं डीईओ बलिराम बघेल

शालाओं में बोर्ड परीक्षाओं के लिए उत्कृष्ट तैयारी, कलेक्टर और सीईओ की मंशा पूरी करने कवायद

श्रमबिन्दु / जगदलपुर

बस्तर कलेक्टर हरिस एस और जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन के मार्गदर्शन में जिला शिक्षा अधिकारी बलिराम बघेल बोर्ड परीक्षाओं में जिले के शालाओं के बेहतरीन परिणाम लाने के लिए जानदार पहल कर रहे हैं। बच्चों को बोर्ड परीक्षाओं की व्यापक एवं उत्कृष्ट तैयारी की जा रही है। इसी तरह होम एग्जाम्स के नतीजे सुधारने पर भी फोकस किया जा रहा है।

कलेक्टर हरिस एस और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रतीक जैन ने पूरे बस्तर जिले के स्कूलों में अध्ययन अध्यापन के स्तर में सुधार लाने के साथ ही बोर्ड परीक्षाओं में शत प्रतिशत परिणाम लाने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी बलिराम बघेल और उनकी टीम को दे रखे

हैं। अपने वरिष्ठ अधिकारियों की मंशा को साकार करने में डीईओ श्री बघेल कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। उन्होंने सभी स्कूलों में प्री बोर्ड परीक्षा आयोजित करवाई है। इसके पीछे उद्देश्य यही है कि बच्चों के मन से बोर्ड परीक्षा का खौफ यानि एग्जाम फोबिया दूर हो सके और वे पूरे आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दे सकें। इसके साथ ही बोर्ड परीक्षाओं में आने वाले संभावित प्रश्नों से विद्यार्थियों को अवगह्न कराना भी एक बड़ा उद्देश्य है। इन दिनों सभी सरकारी मिडिल, हाई एवं हायर सेकंडरी स्कूलों में प्री बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं, जहां शत प्रतिशत विद्यार्थी शामिल हो रहे हैं। डीईओ बलिराम बघेल गुरुवार को जगदलपुर नगर के आसपास के स्कूलों में चल रही प्री बोर्ड परीक्षाओं का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने शिक्षकों को आवश्यक निर्देश दिए। डीईओ द्वारा बार बार अपने कार्य क्षेत्र में दौरा करने से शिक्षा व्यवस्था दुरुस्त और विभागीय प्रशासनिक व्यवस्था में कसावट आ रही है। डीईओ ने बताया कि शासन प्रशासन की अपेक्षा के अनुरूप बस्तर शिक्षा विभाग लगातार काम कर रहा है। उम्मीद की जा रही है कि इससे इस बार रिजल्ट में अच्छा सुधार देखने को मिलेगा। जिला शिक्षा अधिकारी श्री बघेल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मॉर्केल एवं हाई स्कूल बाबू सेमरा पहुंचे थे। वहां उन्होंने प्री बोर्ड परीक्षा का जायजा लिया। विद्यार्थियों को मोटिवेट करते हुए श्री बघेल ने कहा कि परीक्षा से खौफनहीं खाएं, बल्कि उसे एक चुनौती के रूप में लेते हुए उसमें कामयाब होने के लिए अपना बेस्ट परफॉरमेंस दें, घबराएं जरा भी नहीं और विचलित तो बिल्कुल न होएं। घबराहट में बनता हुआ काम बिगड़ जाता है, इसलिए जो भी काम हाथ में लें, उसे पूरे आत्मविश्वास के साथ पूरा करें। यह फार्मूला परीक्षाओं के लिए भी अपनाएं, देखना कामयाबी आपके कदम चूमती नजर आएगी। जिला शिक्षा अधिकारी के मोटिवेशन और मित्रवत व्यवहार से छात्र छात्राएं आत्मविश्वास से भर उठे थे।

घातक विस्फोटकों के साथ नक्सलियों का सप्लायर गिरफ्तार

श्रमबिन्दु / जगदलपुर

जगदलपुर। बस्तर संभाग में नक्सलियों के खिलाफचलाए जा रहे अभियान में पुलिस और सुरक्षा बलों को लगातार कामयाबी मिल रही है। इसी क्रम में सुकमा जिला पुलिस ने नक्सलियों के एक बड़े सप्लायर को भारी मात्रा में घातक विस्फोटकों के साथ पकड़ा है। आरोपी तेलंगाना स्टेट कमेटी एवं पीएलजीए बटालियन नंबर 1 का सप्लायर है।

सुकमा जिले में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत नक्सलियों के सप्लाई नेटवर्क को ध्वस्त करने जिले के माओवादी सप्लायरों की जानकारी एवं सूचना एकत्र की जा रही है एवं संदिग्धों पर सतत सूक्ष्म निगाह रखी जा रही है। इसी तारतम्य में नक्सलियों की पीएलजीए बटालियन के सप्लाई नेटवर्क की सूचना मिलने पर 12 फरवरी को थाना मरईगड़ा से जिला बल की टीम तेलंगाना– छत्तीसगढ़ सीमावर्ती में मरईगुड़ा के फारेस्ट नाका के पास मोबाईल चेक पोस्ट लगाकर जांच पड़ताल कर रही थी।इसी दौरान कंधे पर बैग लटकाया हुआ एक संदिग्ध व्यक्ति तेलंगाना स्टेट बार्डर से पैदल चलते आ रहा था। उसे रोक कर पूछताछ

करने पर संतोष जनक जवाब नही दे रहा था। उसने अपना नाम और पता बुधरा कुहरामी पिता लखमा उम्र 23 वर्ष जाति मुरिया निवासी मल्लेमपेंटा थाना उसूर जिला बीजापुर बताया। साथ ही इस नक्सली ने यह जानकारी भी दी कि होना वह माओवादी संगठन की तेलंगाना स्टेट कमेटी और पीएलजीए बटालियन कंपनी नंबर–1 में सप्लायर का कार्य करता है। उसके बैग की तलाशी लेने पर विस्फोटक पदार्थ 1 बंडल कोर्डेक्स वायर, 12 नग डेटोनेटर, 08 नग जिलेटिन रॉड, 1 बंडल बिजली वायर, 15 नग बैटरी छोटा वाली, 03 नग नक्सल साहित्य बरामद किए गए।

बरामद विस्फोटक पदार्थ रखे जाने के संबंध मे गहन पूछताछ करने पर माओवादी ने तेलंगाना स्टेट कमेटी के बड़े लीडरो के कहने पर परिवहन करना बताया। उक्त कृत्य विधि विरूद्ध पाये जाने से बुधरा कुहरामी अन्य नक्सलियों के खिलाफ थाना मरईगुड़ा में धारा 4, 5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही करते हुए आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

खास खबर

चुनाव ड्यूटी से नदारद रहे 2 शिक्षक निलंबित

श्रमबिन्दु / रायगढ़

14 फरवरी रायगढ़ में चल रहे नगरीय निकाय निर्वाचन के बीच चुनावी कार्यों में लापरवाही के चलते 2 शिक्षकों को निलंबित किया गया है। दोनों शिक्षकों की ड्यूटी रायगढ़ नगर निगम हेतु मतदान दल में लगाई गई थी। किंतु 10 फरवरी को केआईटी परिसर में मतदान सामग्री वितरण के दौरान दोनों अनुपस्थित रहे। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कार्तिकेया गोयल ने दोनों शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री काश्मीर कुजूर, शिक्षक, *माध्यमिक शाला आश्रम तेंदुमुड़ी, विकासखण्ड-खरसिया और श्री अखिल शर्मा, सहायक शिक्षक, प्राथमिक शाला बालक, हमालपारा, विकास खण्ड-खरसिया की ड्यूटी रायगढ़ नगर निगम क्षेत्र के मतदान दलों में लगाई गई थी।* किंतु 10 फरवरी 2025 को केआईटी रायगढ़ में मतदान सामग्री प्राप्त करने के दौरान उक्त दोनों शिक्षक अपनी ड्यूटी से अनुपस्थित पाए गए। उक्त कृत्य छ.ग.सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियमों के विपरित होकर छ.ग.सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 09 के तहत दंडनीय होने के कारण दोनों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाकर मुख्यालय कार्यालय विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी खरसिया निर्धारित किया गया है।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री रवि राही ने बताया कि निर्वाचन संपन्न कराने मतदान दलों का गठन कर उसमें विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी। जिसकी ट्रेनिंग विभिन्न चरणों में की गई थी। जिसमें 118 अधिकारी-कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। इन सभी को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है।

आबकारी विभाग सूरजपुर की अवैध शराब के विरुद्ध कार्यवाही

श्रमबिन्दु / सूरजपुर

आबकारी आयुक्त आर संगीता एवं कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देशन एवं संभागीय उपायुक्त आबकारी विजय सेन शर्मा एवं जिला आबकारी अधिकारी इन्द्रबली सिंह मार्कण्डेय के मार्गदर्शन में आज आबकारी वृत सुरजपुर अंतर्गत ग्राम पचिरा थाना सुरजपुर जिला सुरजपुर निवासी राजकुमार पिता स्वर्गीय रामकुमार उम्र 29 वर्ष के कब्जे से 15 लीटर हाथभट्टी निर्मित कच्ची महुआ मदिरा एवम 200 किलो महुआ लहान बरामद कर जप्त कर छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)क,च, 34(2), 59(क) के तहत प्रकरण दर्ज आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिला किया गया।

उपरोक्त कार्यवाही में वृत सुरजपुर प्रभारी आबकारी उप निरीक्षक प्रदीप वर्मा, आबकारी मुख्य आरक्षक कृष्णा कुशवाहा, मेवालाल सोनवानी आबकारी आरक्षक कमलेश्वर राजवाड़े, होलसाय राजवाड़े की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

साजिशों के ताने बाने से विचलित हुए बिना पार्टी हित में मेहनत कर रहे हैं बैज

जिला पंचायत चुनाव में जुटे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज; बढ़ा रहे कांग्रेस की ताकत

श्रमबिन्दु / अर्जुन झा

जगदलपुर। इधर विरोधी अपनी ही पार्टी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के खिलाफ साजिशों का ताना बाना बुनने में लगे हुए हैं और उधर दीपक बैज विचलित हुए बिना पार्टी का जनाधार बढ़ाने की कवायद में जुटे हुए हैं। अभी जिला और जनपद पंचायतों के चुनाव हो रहे हैं। पीसीसी चीफ दीपक बैज इन चुनावों में पार्टी प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

पार्टी हित को सर्वोपरि रखते हुए दीपक बैज ने नगरीय निकायों के चुनावों में जमकर मेहनत की थी। अब पंचायत चुनावों के समर में भी उन्होंने पूरी ताकत लगा दी है। श्री बैज ने दंतेवाड़ा जिला पंचायत के सदस्य पद के लिए चुनाव लड़ रहे कांग्रेस के युवा नेता प्रवीण राणा के समर्थन में गीदम क्षेत्र में शुक्रवार को व्यापक जनसंपर्क किया। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने गीदम क्षेत्र के घोटपाल में जिला पंचायत सदस्य पद के लिए वार्ड क्रमांक 6 से प्रत्याशी प्रवीण राणा के समर्थन में प्रचार किया। उन्होंने क्षेत्र की जनता से प्रवीण राणा को ज्यादा से ज्यादा मतों से विजयी बनाने की अपील की। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज हाऊरनार गांव भी पहुंचे, जहां उन्होंने जिला पंचायत सदस्य हेतु वार्ड क्रमांक 6 से प्रवीण राणा के समर्थन में जनसंपर्क कर क्षेत्र की जनता से प्रवीण राणा को अपना पूर्ण सहयोग देने व भारी मतों से विजयी बनाने हेतु आग्रह किया। वहीं जनसंपर्क के दौरान दीपक बैज के समक्ष दो दर्जन से अधिक लोगों ने कांग्रेस प्रवेश किया। श्री बैज ने सभी का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी। बताते हैं कि आज पूरे दिन दीपक बैज दंतेवाड़ा और गीदम क्षेत्र में सक्रिय रहे। दीपक बैज की यह सक्रियता बताती है कि पार्टी के प्रति उनके मन में कितना समर्पण भाव है। एक तरफ विघ्नसंतोषी और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का बेड़ागर्क करने वाले कांग्रेसियों की लॉबी दीपक बैज को कांग्रेस हाई कमान के सामने नीचा दिखाने के लिए अनर्गल आरोप लगाते हुए लगातार साजिशों के ताने बाने बुन रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ दीपक बैज पार्टी की मजबूती के लिए जी जान लगकह जुटे हुए हैं।

रामानुजनगर के माध्यमिक शाला पतरापाली में पुलवामा आतंकी हमले में शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

श्रमबिन्दु / सूरजपुर

विकासखंड रामानुजनगर के माध्यमिक शाला पतरापाली में पुलवामा आतंकी हमले में शहीदो को श्रद्धांजलि दी गयी। विद्यालय की अनीता सिंह ने बच्चों को बताया कि छह साल पहले, 14 फरवरी 2019 को दोपहर करीब 3 बजे, जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में एक ऐसा आतंकी हमला हुआ जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। जैश-ए-मोहम्मद के आत्मघाती हमलावर आदिल अहमद डार ने विस्फोटकों से भरी गाड़ी से सीआरपीएफ के काफिले पर हमला किया था। इस हमले में 40 जवान शहीद हो गए थे और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए थे। इस घटना ने भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में और तनाव बढ़ा दिया था, क्योंकि इस हमले के पीछे पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन का हाथ था। हमले के दिन, जम्मू से श्रीनगर जा रहे सीआरपीएफ के काफिले में 78 बसें थीं, जिनमें लगभग 2500 जवान सवार थे। अचानक, पुलवामा जिले के अवंतीपोरा। इलाके में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी ने विस्फोटकों से लदी कार को काफिले की एक बस से टकरा दिया।

टक्कर होते ही जबरदस्त धमाका हुआ, जिससे बस के परखच्चे उड़ गए। धमाके की गूंज दूर-दूर तक सुनाई दी और चारों ओर धुआं और मलबा फैल गया। इस दिन को हमारे देश भारत में काला दिवस के रूप में मनाते हैं। सभी बच्चों ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन धारण कर अपनी संवेदना व्यक्त की।

जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने रोका नाबालिक का बाल विवाह

श्रमबिन्दु / सूरजपुर

कलेक्ट एस. जयवर्धन के निर्देश पर महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी रमेश साहू के कुशल मार्गदर्शन में जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल के नेतृत्व में सूरजपुर को बाल विवाह मुक्त बनाने की ओर जिला प्रशासन की संयुक्त टीम पूरी तरह अग्रसर है। जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल को सूचना प्राप्त हुई की नगर केन्द्र सूरजपुर में एक 17 वर्ष 06 माह की लडकी का बाल विवाह किया जाने वाला है जिसकी सूचना जिला कार्यक्रम अधिकारी को दी गई जिला कार्यक्रम अधिकारी के निर्देश पर संयुक्त टीम का गठन कर तत्काल मौके पर जांच एवं कार्यवाही हेतु टीम जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायवाल एवं परियोजना अधिकारी श्रीमती वर्षा अग्रवाल के साथ पहुंची, वहीं जांच करने पर पाया कि बालिका का उम्र 17 वर्ष 07 माह 20 दिन हो रहा है मण्डप की तैयारी की जा रही है और परिवार वाले तिलक की रस्म करने के लिए कोरिया जाने की तैयारी में हैं परिवारजनो को समझाईस दिया गया कि अभी लडकी विवाह योग्य नही है 18 वर्ष पूर्ण करने पर ही विवाह किया जा सकता है उसके पूर्व विवाह करने पर बाल विवाह प्रतिशेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया जायेगा जिसके तहत एक लाख रूपये जुर्माना एवं दो वर्ष की सजा का प्रावधान दिया गया है समझाईस पर परिवार जनो ने बालिका के 18 वर्ष पूर्ण होने पर विवाह करने की सहमती प्रदान की जिसका वचन पत्र कथन मौका पंचनामा बालिका का कथन लिया गया वहां उपस्थित सभी को बाल विवाह नही करने और बालविवाह के दुष्परिणाम में संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही सभी को बाल विवाह मुक्त भारत, बाल विवाह मुक्त छ0ग0, बाल विवाह मुक्त सूरजपुर बनाने की अपील की गई सभी ने बाल विवाह मुक्त अभियान में अपनी सहभागिता देने की बात कहीं, सभी को टोल फ्री न0 चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, टोल फ्री न0 महिला हेल्पलाइन 181, आपातकालीन टोल फ्री न0 112 की जानकारी प्रदान की गई।

कार्यवाही मे जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल, परियोजना अधिकारी श्रीमती वर्षा अग्रवाल, संरक्षण अधिकारी अखिलेख सिंह , पर्यवेक्षक अविधा उईके, चाईल्ड लाईन से कार्तिक मजूमदार, सुश्री शीतल सिंह, पवन धीवर आउट रीच वर्कर, पुलिस विभाग से हेड कांस्टेबल अखिलेश यादव, प्रेम सागर साहू उपस्थित थें।

शिक्षक गोपाल सिंह को संभाग स्तर पर शिक्षा श्री पुरस्कार से किया गया सम्मानित

श्रमबिन्दु / सूरजपुर

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी संभाग स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों के सम्मान समारोह का आयोजन शासकीय राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर के ऑडिटोरियम में संपन्न किया गया जिसमें शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर में पदस्थ रसायन शास्त्र के व्याख्याता गोपाल सिंह जी को संयुक्त संचालक शिक्षा सरगुजा हेमंत उपाध्याय जी के द्वारा सरगुजा जिले के जिला शिक्षा अधिकारी अशोक सिन्हा और सहायक संचालक विनोद राय जी की उपस्थिति में मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण योजना के अंतर्गत शिक्षा श्री पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करने वाले उन शिक्षकों को दिया जाता है जो बच्चों के अध्ययन-अध्यापन के साथ उनके विभिन्न कौशालों का विकास,बौद्धिक,शारीरिक एवं सामाजिक दायित्वों के प्रति उत्तरदायित्व के लिए प्रेरणादायक कार्य करते हैं और जो दूसरों को भी अच्छे कार्य के लिए प्रेरित करते हैं,यह सम्मान संभाग के अंतर्गत आने वाले सभी जिलों से सर्वश्रेष्ठ तीन शिक्षकों को दिया जाता है।शिक्षक के द्वारा अभी तक अपने विद्यालय से चार बार राष्ट्रीय स्तर पर कुल छ:विद्यार्थियों को और छ:बार राज्य स्तर पर कुल पंद्रह विद्यार्थियों को विज्ञान के क्षेत्र में सम्मानित कराया जा चुका है।शिक्षक के द्वारा विद्यालय में गणित एवं विज्ञान क्लब,यूथ एवं इको क्लब,युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम,योग की कक्षा,प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी,मोटिवेशनल स्पीच के अलावा स्कूल स्तर पर संचालित विभिन्न प्रकार के शैक्षिक कार्यक्रमों का संचालन सुव्यवस्थित ढंग से कराया जाता है। शिक्षक नेअपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने संस्था के प्राचार्य पी सी सोनी को दिया है,जिनका हमेशा उनके प्रत्येक शैक्षणिक गतिविधि में विद्यालय स्तर पर सहयोग और मार्गदर्शन बना रहता है।इस सम्मान को प्राप्त करने पर जिले के जिला शिक्षा अधिकारी राम ललित पटेल,सहायक संचालक शिक्षा रविंद्र सिंह देव,जिला मिशन समन्वयक (समग्र शिक्षा)शशिकांत सिंह,संस्था के प्राचार्य पी सी सोनी,विकासखंड शिक्षा अधिकारी पंडित भारद्वाज,सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी मनोज कुमार साहू,खंड स्त्रोत समन्वयक मनोज कुमार जायसवाल,इंस्पायर अवार्ड के प्रभारी संतोष उपाध्याय,अर्थशास्त्र की व्याख्याता निशा सिंह,प्रधान पाठक सीमांचल त्रिपाठी, के अलावा जिले और विकासखंड के समस्त शैक्षणिक स्टाफ ने शिक्षक की इस उपलब्धि पर बधाई दी है।व्याख्याता गोपाल सिंह को सम्मानित किए जाने पर शिक्षकों और पालकों में हर्ष है।

चुनाव ड्यूटी से नदारद रहे 2 शिक्षक निलंबित: 118 अधिकारी-कर्मचारियों को ट्रेनिंग से अनुपस्थिति पर थमाया गया नोटिस

श्रमबिन्दु / रायगढ़

रायगढ़ में चल रहे नगरीय निकाय निर्वाचन के बीच चुनावी कार्यों में लापरवाही के चलते 2 शिक्षकों को निलंबित किया गया है। दोनों शिक्षकों की ड्यूटी रायगढ़ नगर निगम हेतु मतदान दल में लगाई गई थी। किंतु 10 फरवरी को केआईटी परिसर में मतदान सामग्री वितरण के दौरान दोनों अनुपस्थित रहे। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कार्तिकेया गोयल ने दोनों शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री काश्मीर कुजूर, शिक्षक, माध्यमिक शाला आश्रम तेंदुमुड़ी, विकासखण्ड-खरसिया और श्री अखिल शर्मा, सहायक शिक्षक, प्राथमिक शाला बालक, हमालपारा, विकास खण्ड-खरसिया की ड्यूटी रायगढ़ नगर निगम क्षेत्र के मतदान दलों में लगाई गई थी। किंतु 10 फरवरी 2025 को केआईटी रायगढ़ में मतदान सामग्री प्राप्त करने के दौरान उक्त दोनों शिक्षक अपनी ड्यूटी से अनुपस्थित पाए गए। उक्त कृत्य छ.ग.सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियमों के विपरित होकर छ.ग.सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 09 के तहत दंडनीय होने के कारण दोनों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाकर मुख्यालय कार्यालय विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी खरसिया निर्धारित किया गया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री रवि राही ने बताया कि निर्वाचन संपन्न कराने मतदान दलों का गठन कर उसमें विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी। जिसकी ट्रेनिंग विभिन्न चरणों में की गई थी। जिसमें 118 अधिकारी-कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। इन सभी को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय आयोग ने शक्ति कुंज में मनाया महिला दिवस

महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता के प्रोत्साहन का पर्व है महिला दिवस: अधिवक्ता चितरंजय पटेल

श्रमबिन्दु / जांजगीर चांपा

जिला जांजगीर चांपा सक्ति में भारत में हर वर्ष 'भारत कोकिला' सरोजिनी नायडू के जन्म जयंती पर राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है तथा यह दिवस महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने महिलाओं के द्वारा अलग-अलग क्षेत्र में किए गए कार्यों और योगदान का स्मरण कर उन्हें प्रोत्साहित करने का पर्व है, यह बात राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय आयोग के प्रदेश अध्यक्ष (विधि)एवं उच्च न्यायालय अधिवक्ता चितरंजय पटेल ने राष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय शक्ति कुंज, सक्ती में ब्रह्माकुमारी बहनों का अभिनंदन करते हुए बताया कि ब्रह्माकुमारी बहनें संपूर्ण विश्व में तपस्विनी की तरह स्वयं साधनारत रहकर राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से सुखी और समृद्ध समाज की स्थापना के लिए प्रयासरत हैं जिनका अभिनंदन करते हुए हमारा संगठन गौरवान्वित है।

इन पलों में ब्रह्माकुमारी मधु बहन ने मानवाधिकार संगठन की तारीफ करते हुए कहा कि मानवाधिकार कार्यकर्ता भी समाज सेवा के ध्येय के साथ सर्व समाज के उत्थान के लिए सजग है तथा आज नारी शक्ति का सम्मान कर रहे जो प्रशंसनीय पहल है। आज इन पलों में मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय आयोग मीडिया सेल प्रमुख योम लहरे, जिला सचिव उदय मधुकर व रेवती नंदन पटेल, महिला सेल अध्यक्ष कांता यादव, मीडिया से रामावतार साहू, ईश्वर गबेल अधिवक्ता, पद्मिनी चितरंजय पटेल, लखन शर्मा आदि लोगों की गरिमामय उपस्थिति रही।

कार्यालय नगर पालिक निगम, भिलाई, जिला-दुर्ग

क्र./प्रधानमंत्री आ.यो./मु.कार्या/अन्य/2025/883/329 भिलाई, दिनांक 10.02.2025

//प्रेस - विज्ञापन//

प्रधानमंत्री आवास योजना-सबके लिए आवास मिशन (शहरी)

स्लम/गैर स्लम में किराये के मकान में रह रहे हितग्राहियों को नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में मोर मकान-मोर आस योजना अंतर्गत आवास उपलब्ध कराने की योजना

विज्ञापन क्र. .....

दिनांक ...../...../2025

प्रधानमंत्री आवास योजना के "मोर मकान -मोर आस" घटक अंतर्गत किरायेदारी में निवासरत परिवारों के वरिष्ठ नागरिकजन एवं दिव्यांगजन हेतु निर्मित/निर्माणाधीन भूतल एवं सामान्य आवेदकों हेतु अन्य तल के आवासों मे लॉटरी द्वारा आवास आबंटन किया जाना है। कार्यालयीन दिवस में दिनांक 10.02.2025 से प्रतिदिन शाम 04:00 बजे तक नगर पालिक निगम, भिलाई मुख्य कार्यालय के कक्ष क्रमांक 16 योजना शाखा (आवास आबंटन शाखा) के प्रधानमंत्री आवास योजना काउंटर से भिलाई निगम क्षेत्र का आधारकार्ड की छायाप्रति प्रस्तुत कर तथा 100/- रू. का नगद भुगतान कर आवेदन प्राप्त किया जा सकता है। निम्नानुसार पात्रता संबंधी सम्पूर्ण आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर आवेदन पत्र को पूर्ण रूप से भर कर निर्धारित स्थल कक्ष क्रमांक 16 योजना शाखा के प्रधानमंत्री आवास योजना काउंटर में जमा लिया जाना है।

रिक्त आवासों की संख्या

क्र.	योजना स्थल का नाम	भूतल	अन्य तल	कुल
1	सूर्या विहार के पीछे, खम्हरिया, भिलाई (667/435)	48	0	48
2	अविनाश मेट्रोपॉलिश,कोहका (667/116)	2	0	2
3	कृष्णा इजी. कॉलेज के पीछे खम्हरिया (338/322)	55	160	215
4	आम्रपाली श्नाचल सिटी, हा.बो. (444/444)	35	0	35
5	रजत बिल्डर्स, कोहका (444/416)	5	3	8
6	स्वप्निल बिल्डर्स, कुरूद (444/416)	12	0	12
7	माइल स्टोन स्कूल के पास, खम्हरिया (896) (आस 570 एवं चिन्हारी 240 = 810)	108	138	246
8	सूर्या विहार के पीछे, खम्हरिया, भिलाई (1120) (आस 976 एवं चिन्हारी 144 = 810)	46	27	73
9	एनार स्टेट खम्हरिया (476/600)	16	20	36
10	वंदे मातरम् कुरूद, भिलाई	4	24	28
कुल		331	372	703

आयुक्त

नगर पालिक निगम, भिलाई

संपादकीय...

बजट में कई दवाओं की कीमतों में कटौती का प्रस्ताव किया गया है, जिसका सीधा फायदा नागरिक की जेब को होगा। कैंसर, अप्रचलित बीमारियों और अन्य पुराने रोग से पीड़ित मरीजों को राहत देने के लिए 36 जीवन रक्षक दवाओं को मूल सीमा शुल्क से पूरी तरह मुक्त कर दिया गया है।

बजट वृद्धि से स्वास्थ्य सेवाओं को संबल

31 जनवरी को संसद में पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण के मद्देनजर केंद्रीय बजट 2024-25 में भारत के स्वास्थ्य व्यय में 2020-21 में 3.2 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 2025 में 6.1 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि की गई है। वर्ष 2022 में भारत का स्वास्थ्य व्यय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.8 प्रतिशत रहा। 2015 और 2022 के बीच, रोगी की जेब से होने वाला खर्च 62.6 प्रतिशत से घटकर 39.4 प्रतिशत हो गया, जिसमें पीएम-जेएवाई ने निर्णायक भूमिका निभाई। सभी नागरिकों को एक समान स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान करने की गर्ज से पिछले साल पीएम-जेएवाई योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों को शामिल किया गया। सरकार ने अब इस योजना के तहत अनुबंध पर रखे कामगारों को भी शामिल करने का प्रस्ताव रखा है। यह कदम अनौपचारिक क्षेत्र के अनुमानित एक करोड़ श्रमिकों के लिए वित्तीय और स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, जिन्हें पहले कोई भी बीमा सुरक्षा उपलब्ध नहीं है। हालांकि, इसके लिए सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि नियोक्ता अनुबंधित कारगारों का डाटा साझा करने में पारदर्शी हों।

स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए प्रस्तावित आवंटन पिछले वर्ष की तुलना में 9.7 प्रतिशत बढ़कर 99,858.56 करोड़ रुपये हो गया है, इसमें आयुष्मान भारत बुनियादी मिशन को 26 प्रतिशत की वृद्धि मिली है जबकि पीएम-जेएवाई के बढ़ते दायरे को ध्यान में रखते हुए 28.85 प्रतिशत का इजाफा किया गया है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर इंटरनेट सुविधा के प्रावधान का लाभ डिजिटल स्वास्थ्य और टेलीमेडिसिन सेवाओं को विस्तार देने में उठाया जा सकता है। हालांकि, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को केवल 3.77 प्रतिशत की वृद्धि मिली है।

इसके बावजूद सेहत को मजबूत करने और बीमारी की रोकथाम पर अधिक जोर देने की आवश्यकता है। वित्त मंत्री ने आने वाले वर्ष में मेडिकल कॉलेजों में 10,000 अतिरिक्त सीटें और अगले पांच वर्षों में 75,000 सीटें बढ़ाने की घोषणा की है। पिछले 10 वर्षों में एमबीबीएस और स्नातकोत्तर सीटें दोगुनी से अधिक बढ़कर क्रमश: 1,18,137 और 73,157 हो गई हैं। हालांकि, अभी भी चिकित्सा शिक्षकों की कमी है और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग शिक्षकों की संख्या और अनुभव के मानदंडों को घटाने में लगा है। स्नातक और स्नातकोत्तर सीटों के बीच भारी असमानता बनी हुई है।

नि:संदेह, विभिन्न विशेषज्ञताओं में सीटों की संख्या के लिए एक गतिशील नीति होनी चाहिए। उदाहरणार्थ, भारत को आने वाले वर्षों में कार्डियक सर्जनों की कम और ऑनकोलॉजिस्ट, इंटेंसिविस्ट और ट्रॉमा विशेषज्ञों की अधिक आवश्यकता पड़ेगी। देश को अधिक कुशलता वाली नर्सें, तकनीशियन जैसी अन्य सहायक जनशक्ति की भी आवश्यकता पड़ेगी। सरकार ने कैंसर मरीजों की मदद के वास्ते बड़ी पहल करने की योजना बनाई है। राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम रिपोर्ट-2020 के अनुसार, नौ में से एक व्यक्ति को अपने जीवनकाल में कैंसर होने की संभावना है। सरकार अगले तीन वर्षों में सभी जिला अस्पतालों में डे-केयर कैंसर केंद्र स्थापित करना चाहती है, जिसमें 2025-26 में 200 केंद्र स्थापित किए जाएंगे। ऐसे केंद्रों का उपयोग आमतौर पर कीमोथैरेपी के लिए किया जाता है। यह सुविधा कैंसर उपचार तक रोगी की पहुंच आसान करने में सहायक होगी, जो फिलहाल केवल बड़े अस्पतालों या मेडिकल कॉलेज जैसे उच्च केंद्रों पर उपलब्ध है। इस पहल के लिए पीपीपी मोड का उपयोग करने का प्रस्ताव है। हालांकि, प्रशिक्षित जनशक्ति, उन्नत इमेजिंग और कैंसर डायग्नोस्टिक्स जैसे बुनियादी ढांचे की कमी है।

बजट में कई दवाओं की कीमतों में कटौती का प्रस्ताव किया गया है, जिसका सीधा फायदा नागरिक की जेब को होगा। कैंसर, अप्रचलित बीमारियों और अन्य पुराने रोग से पीड़ित मरीजों को राहत देने के लिए 36 जीवन रक्षक दवाओं को मूल सीमा शुल्क से पूरी तरह मुक्त कर दिया गया है। छह अतिरिक्त जीवन रक्षक दवाओं पर अब 5 प्रतिशत का रियायती सीमा शुल्क लगेगा। स्थानीय कंपनियों को बढ़ावा देने के लिए उपरोक्त श्रेणियों की दवाओं के थोक निर्माताओं को भी रियायत दी जाएगी।

प्रस्तावित एक अन्य प्रमुख क्षेत्र चिकित्सा पर्यटन है। देश में विशेषज्ञ चिकित्सा पेशेवरों और बुनियादी ढांचे की उपलब्धता के साथ, भारत के कई निजी अस्पतालों में पहले से ही दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका और पश्चिम एशिया से रोगी इलाज के वास्ते आ रहे हैं। अनुमान है कि दुनिया में हर साल तकरीबन 1.4 करोड़ लोग बेहतर चिकित्सा उपचार के लिए दूसरे देशों को जाते हैं। भारत में 35 से अधिक वैश्विक मामलों वाले अस्पताल जेसीआई (संयुक्त आयोग अंतर्राष्ट्रीय) द्वारा मान्यता प्राप्त हैं। सरकार ने 2022 में निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए एक चिकित्सा पर्यटन पहल, 'हील इन इंडिया' का प्रस्ताव रखा था। लेकिन यह योजना विशेष आगे बढ़ नहीं पाई। बजट प्रस्तावों में सूक्ष्म, लघु एवं मध्य इकाइयों के लिए प्रस्तावित आवंटन से दवा उत्पादन के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। सरकार ने दवा उत्पादन से जुड़े उद्योगों के प्रोत्साहन मद के वास्ते 2,445 करोड़ रुपये रखे हैं।

मुस्लिम मत भाजपा की ओर

अवधेश कुमार

भाजपा जब भी कोई चुनाव जीती है मुस्लिम मतों को लेकर विश्लेषण सामने आते हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के साथ टीवी चैनलों से लेकर समाचार पत्रों, वेबसाइटों, यूट्यूब चैनलों पर ऐसी ध्वनियां निकल रही है कि मुसलमानों के एक बड़े वर्ग ने उसके पक्ष में मतदान किया।

क्या वाकई ऐसा हुआ है? इमामों का एक संगठन चलाने वाले मौलाना ने मतदान के बाद वीडियो जारी करते हुए कहा कि मैंने भाजपा को मत दिया है। वे टीवी चैनलों पर दिखते हैं इसलिए उनका चेहरा मोटा-मोटी पहचाना है और भाजपा एवं संघ के विरुद्ध उनकी कट्टरता भी सब सामने है। उन्होंने कहा कि मैंने वोट इसलिए दिया क्योंकि कहा जाता है कि मुसलमान एकजुट होकर भाजपा के विरुद्ध मतदान करते हैं।

इस धारणा को तोडने् के लिए मैंने वोट दिया। उन्होंने दूसरा कारण आप के द्वारा मुसलमानों के खिलाफ आचरण को बताया। दरअसल, दिल्ली में केजरीवाल द्वारा घोषित इमामों का वेतन चुनाव तक 18 महीना से नहीं मिला था। इनका संगठन उसके लिए धरना प्रदशर्न कर रहा था, जिसका संज्ञान तक केजरीवाल और उनके साथियों ने नहीं लिया। क्या उनके अलावा किसी अन्य बड़े मुस्लिम चेहरे ने सामने आकर परिणाम के पहले घोषित किया कि उन्होंने भाजपा को मत दिया है? भाजपा की जीत के बाद लोग टीवी कैमरों के सामने आए और कह दिया कि हम नरेन्द्र मोदी जी और योगी जी अच्छा शासन चला रहे हैं, इसलिए समर्थन दिया है।

दरअसल, मुस्लिम प्रभाव वाले मुस्तफाबाद और जंगपुरा सीट पर भाजपा की विजय के बाद से यह ध्वनि ज्यादा गुंजित हुई है। ये दोनों क्षेत्र मुस्लिम प्रभाव वाले हैं। अभी तक धारणा थी कि बगैर उनके समर्थन के कोई उम्मीदवार चुनाव जीत नहीं सकता। दिल्ली में 11-12 ऐसे क्षेत्रों में मुस्लिम मतदाता निर्णायक माने जाते हैं। इसके अलावा भी 7-8 क्षेत्रों में मुसलमानों का प्रभाव है। इनमें चार सीटें भाजपा ने जीती हैं। किंतु इसके अलावा ये सारी सीटें एकपक्षीय आप को गई है। पहले मुस्तफाबाद को देखें। मुस्तफाबाद में भाजपा के मोहन सिंह बिष्ट ने आप के आदिल अहमद खान को 17 हजार 578 वोटों से हराया। यहां एआईएमआईएम के उम्मीदवार और 2020 दिल्ली दंगों के आरोपी ताहिर हुसैन को 33 हजार 474 वोट मिला और कांग्रेस के अली मेहंदी को केवल 11 हजार 763। ताहिर हुसैन ने जब कहा कि आपकी लड़ाई हमने लड़ी और आपके कारण जेल में हैं तो मुसलमानों के एक बड़े वर्ग की सहानुभूति मिली। ताहिर हुसैन को इतना वोट नहीं मिलता तो बिष्ट नहीं जीत पाते। आप सोचिए, कांग्रेस के उम्मीदवार को इतना कम मत मिला। जंगपुरा में तरविंदर सिंह मारवाह किसी तरह 675 मतों से पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को हरा पाए। मुस्लिम मतदाताओं ने तरविंदर के पक्ष में मतदान किया होता तो जीत का अंतर ज्यादा होता। उनकी और पारिवार कि पृष्ठभूमि कांग्रेस की है। इस कारण मुस्लिम वोट उनको मिलता रहा है। इस बार आंकड़े ऐसा नहीं बताते। कांग्रेस के मुस्लिम मत काटने का उनको लाभ मिला। ईमानदारी से विश्लेषण किया जाए तो साफ दिखाई देगा कि 2020 के दंगों में मुस्लिम नेताओं की भूमिका देखने के बाद गैर मुसलमानों के बीच थोड़ी एकजुटता हुई। दूसरे, पिछले लोक सभा चुनाव एवं महाराष्ट्र व हरियाणा विधानसभा चुनाव में राजनीतिक, मजहबी मुस्लिम नेताओं, शीर्ष मुस्लिम व्यक्तियों के द्वारा वोट को इस्लाम और दीन का विषय बनाने तथा भाजपा के विरुद्ध मतदान करने के फतवे आदि के कारण एकजुटता का सुदृढ़ीकरण हुआ है।

सुर्ख़ गुलाबों को कुम्हला देने के बनिस्बत इश्क़ के "नमक़" की अदायग़ी का भी रस्म हो: वेलेंटाइन डे

वैलेंटाइन्स डे की शुरुआत पश्चिमी सभ्यता में संत वैलेंटाइन की याद में हुई थी, जिन्होंने प्रेम और मानवता की कद्र करते हुए समाज में प्यार का संदेश फैलाया। यह दिन मूल रूप से सिर्फरोमांटिक रिश्तों तक सीमित नहीं था, बल्कि हर उस इंसान को भी समर्पित था, जिसने अपने जीवन में किसी के लिए प्रेम, त्याग और समर्पण दिखाया। हम भारतीयों के पास वैसे तो रक्षाबंधन, भैया दूज, मातृ-पितृ दिवस और गुरु पूर्णिमा जैसे कई त्योहार है, जो प्रेम और रिश्तों को सम्मान देने के लिए बनाए गए हैं। लेकिन इसका मतलब यह तो नहीं कि हम नई परंपराओं को अपनाने से इनकार कर दें। हमारी संस्कृति की खूबसूरती ही यह है कि हम दुनिया भर की अच्छी बातों को अपनाने में कभी पीछे नहीं रहते। इसलिए वैलेंटाइन्स डे को सिर्फएक प्रेमी-प्रेमिका के उत्सव तक सीमित ना रखें। इसे उस रिश्ते का जश्न भी मनाए, जो तुम्हें बिना शर्त प्यार देता है जैसे माँ-बाप, भाई-बहन, दोस्त, गुरु, दादा-दादी, नाना-नानी हर वो रिश्ता, जिसने तुम्हें संवारने में अपना सर्वस्व दिया। अगर वैलेंटाइन्स डे का असली मतलब समझना है, तो सिर्फगुलाब के फूल और चॉकलेट्स तक इसे ना बांधे, बल्कि उन रिश्तों की क़द्र करें, जिन्होंने तुम्हें वो बनाया जो आज तुम हो।

(डॉ. शगुफ़्ता परवीन-सुरेन्द्र वर्मा की ख़ास पेशकश)

सलीमा खातून आमना बेगम शगुफ्ता परवीन

इश्क, कुर्बानी और तालमेल एक ख़ानदान की अनसुनी दास्तान: रिश्ते सिर्फ खून के नहीं होते, उन्हें निभाने की नीयत और तालमेल की समझ ही असली रिश्तों की बुनियाद होती है। जब मैं अपनी मम्मी और पापा को देखती हूँ, तो महसूस होता है कि उनकी जिंदगी सिर्फ मोहब्बत या कुर्बानी की कहानी नहीं, बल्कि समझदारी और त्याग से बुने गए रिश्तों की एक मुकम्मल तस्वीर है। लेकिन यह सिर्फ उन्हीं की कहानी नहीं, बल्कि उन सभी लोगों की कहानी है, जिनकी वजह से यह परिवार एक साथ जुड़ा रहा मेरी नानियों, नाना, मेरी दादी और वे सभी जिन्होंने इस घर की बुनियाद को मजबूती दी।

सलीमा खातून और मक़बूल बेगम दो माएँ, एक रिश्ता: मेरे नाना इनायतुल्लाह ख़ान जमींदार थे, जब हिंदुस्तान ने ताजा-ताजा आजादी की हवा महसूस की थी। उस दौर में एक से ज्यादा शादी करना आम बात थी। नाना ने भी दो निकाह किए पहली पत्नी मकबूल बेगम और दूसरी पत्नी सलीमा खातून। दोनों की जिंदगियाँ अलग थी, लेकिन दिलों में कोई दूरी नहीं थी। गाँव में सलीमा खातून (मेरी नानी) ने नाना के साथ रहकर खेतों, घर और तमाम जिम्मेदारियों को सँभाला, जबकि शहर में मक़बूल बेगम (मेरी दूसरी नानी) ने बच्चों की तालीम और परवरिश को अपनी जिम्मेदारी माना। दोनों ने न किसी से शिकायत की, न कोई शिकवा रखा। शायद इसलिए क्योंकि रिश्ते निभाने के लिए मोहब्बत से ज्यादा समझदारी की जरूरत होती है।

आमना और अफज़ल यानी मेड फॉर ईच अदर की एक नई जिंदगी की शुरुआत: मेरी मां आमना, सलीमा खातून की बेटी, जमाने की बंदिशों के बावजूद पढ़ी-लिखी और समझदार बनीं। उन्होंने उर्दू की तालीम हासिल की और शादी के बाद उर्दू टीचर बनीं। उनका निकाह अफज़ल से हुआ, जो पढ़े-लिखे और खुले विचारों के पक्षधर थे। लेकिन शादी के बाद हर लड़की की जिंदगी बदलती है, और मेरी मां की भी बदली। उस दौर में जब औरतों का घर से बाहर जाकर नौकरी करना आसान नहीं था, तब मेरी दादी, अक़बरी बेगम ने माँ का साथ दिया। उन्होंने पितृसत्तात्मक समाज की बंदिशों को दरकिनार करते हुए कहा, "अगर लड़की पढ़ी-लिखी है, तो उसे अपने इल्म को घर की चारदीवारी में क़ैद नहीं करना चाहिए।" यह उस वक्त का फैसला था, जब बहुओं को सिर्फ घर सँभालने की ही इजाजत थी। लेकिन दादी ने नौकरी और बच्चों के लालन-पालन में उनके साथ देकर यह साबित कर दिया कि असली परवरिश वही होती है, जो अपनी औलाद को उड़ने की आजादी दे। उनके पंखों को खुला छोड़ दे ताकि वह मजबूत बन सके।

एक घर, जहाँ हर रिश्ता दिल से जुड़ा था: माँ अकेली नहीं थीं, बल्कि उनके सारे भाई-बहन, दोनों माँओं की सारी औलादें उनसे बेहिसाब मोहब्बत करते थे। आज जब परिवारों में छोटी-छोटी बातों पर रिश्ते बिखर जाते हैं, तब मैं सोचती हूँ कि कैसे उस दौर में इन दोनों औरतों ने अपने बच्चों के दिल में एक-दूसरे के लिए नफ़रत नहीं, बल्कि बेपनाह मोहब्बत और दूसरों के प्रति सम्मान बोया था। मोहब्बत और परंपरा की विरासत: हम अक्सर भूल जाते हैं कि एक बच्चा सिर्फ अपने माँ-बाप की औलाद नहीं होता, बल्कि अपने पूर्वजों की मान्यताओं का भी हिस्सा होता है। माँ अपनी औलाद को संस्कार देती है, और पिता उनके भविष्य की बुनियाद मजबूत करते हैं। हम सिर्फ अपने माता-पिता की संतान नहीं हैं, बल्कि हम उन तमाम लोगों की उम्मीदों और कुर्बानियों का नतीजा हैं, जिन्होंने हमें आगे बढ़ाने के लिए अपनी ख्वाहिशों को पीछे छोड़ दिया।

इश्क कुर्बानी और अपने आप को समझने की अहमियत: "इश्क़ कोई चाहत नहीं, कोई जिम्मेदारी नहीं, बल्कि यह इंसान के अपने अंदर की हालत होती है। जब तक इंसान अपने अंदर मोहब्बत महसूस नहीं करेगा, तब तक वह इसे दूसरों में नहीं तलाश सकता। यह बात मेरी नानियों के रिश्ते पर भी लागू होती है और हम सबकी जिंदगी पर भी। हमसफ़र, हमराज और हमदर्द के मिसाल के बतौर आज जब मैं अपने वालिदैन को देखती हूँ, तो मुझे सिर्फ एक शादीशुदा जोड़ा नहीं दिखता, बल्कि एक ऐसा रिश्ता दिखता है, जो मोहब्बत, कुर्बानी और समझदारी की मिसाल है। यह सिर्फ आमना और अफज़ल की दास्तां नहीं है, यह उस दौर की कहानी है, जब औरतें परिवार को संभालने की सबसे बुनियादी ताक़त थीं। परिवार सिर्फ खून से नहीं, मोहब्बत से बनते हैं आज जब कोई कहता है कि खून के रिश्ते सबसे गहरे होते हैं, तो मुझे यह ख्याल आता है कि रिश्तों की गहराई खून से नहीं, उसे निभाने के जज्बे से तय होती है। अगर हमें कभी ऐसा लगे कि हम अकेले हैं, तो हमें यह याद रखना चाहिए कि हमारे अंदर हमारे पूर्वजों की दुआएँ, उनकी परंपराएँ और उनकी कुर्बानियाँ शामिल हैं और यही प्यार, त्याग और संस्कार हमें आगे बढ़ाते हैं पीढ़ी दर पीढ़ी।

बेटियाँ बागो की सबसे हसीन फूल होती हैं, जो दुआओं से खिलती हैं और माँ-बाप की जिंदगी में इनाम बनकर आती हैं। इस्लामी तालीमात में भी बेटियों को "रहमत" कहा गया है। घर में तीसरी गुड़िया के आगमन पर आस-पड़ोस से कई तरह की बातें आई-"अरे! फिर बेटी" लेकिन पापा ने उसी वक्त माँ के पास बैठकर बड़े इत्मिनान से कहा, "अल्लाह ने हमें अपने ख़ज़ाने से सबसे कीमती तोहफा दिया है। बेटियाँ हमारे लिए दुनिया और आख़िरत दोनों में राहत है तुम सब्र रखना"

बेटी की पैदाइश पर खुश होना सिर्फ एक जज़्बा नहीं, बल्कि एक नज़रिया है, जो यह बताता है कि असल दौलत औलाद नहीं, बल्कि औलाद को दिए गए संस्कार और मोहब्बत हैं। उन्होंने हम तीनों की परवरिश और तालीम में कभी कोई कसर नहीं छोड़ी। माँ-पापा की ज़िंदगी को देख कर मुझे यह एहसास हुआ कि मुहब्बत सिर्फ चॉकलेट देने या फूल देने का नाम नहीं है, बल्कि किसी के लिए त्याग करना, उसे बेहतर इंसान बनाना और उसके साथ हर उतार-चढ़ाव में खड़ा रहना ही असली मुहब्बत होती है।

आज वैलेंटाइन्स डे को हम पश्चिमी सभ्यता से जोड़ते हैं, लेकिन इसकी असलियत तो यही है कि यह सिर्फ एक दिन का जश्न नहीं, बल्कि हमारे अपने रिश्तों को सलाम करने का मौका है। आज की पीढ़ी के लिए वैलेंटाइन्स डे सिर्फ एक दिन है, लेकिन अगर मोहब्बत को समझना है, तो समझे तुम्हारी आने वानी नस्लें तुम्हारी दौलत, तुम्हारे महंगे गिफ्ट्स या तुम्हारी शोहरत को याद नहीं रखेंगी। मगर वो यह याद रखेंगी कि तुमने उन्हें कितना प्यार और सहारा दिया और कैसे अपने बुजुर्गों की कुर्बानियों से सीख ली कि रिश्ते सिर्फ निभाने के लिए नहीं, बल्कि सँभालने के लिए होते हैं।

अगर तुम चाहते हो कि तुम्हारी अगली पीढ़ी तुम्हें याद रखे, तो उन्हें सिर्फ यह मत सिखाए कि पैसा कैसे कमाया जाता है, बल्कि यह भी सिखाए कि कैसे रिश्तों को मोहब्बत से कैसे जवाजा जाता है। मुहब्बत वो होती है, जब बुजुर्ग अपनी अगली नस्लों को अपने जीवन संघर्ष की कहानियाँ सुनाए, जब माँ बच्चों के लालन पालन में अपना सर्वस्व दे, जब पिता अपने बच्चों के लिए दुनिया की मुश्किलों से लड़े, जब बहन अपने भाई की सलामती की दुआ करे, जब दोस्त किसी की तकलीफ़ को अपनी तकलीफ़ समझे। तो मेरे प्यारे दोस्तों इस वैलेंटाइन्स डे पर किसी एक शख़्स के लिए फूल नहीं खरीदे, बल्कि उन सबकी दिल से कद्र करे जिन्होंने तुम्हें अपने प्यार से सींचा है।

जहाँ मज़दूर अदृश्य है!

(आलेख : नंदिता हक्सर, अनुवाद : अंजली देशपांडे)

कई साल पहले, मैं साहित्य उत्सवों के विचार से रोमांचित होती थी और उनमें उत्साही भागीदार हुआ करती थी। मैं अरुंधति रॉय के इस बयान से सहमत नहीं थी कि ये केवल अभिजात वर्गीय उत्सव होते हैं। ऐसे अन्य लेखकों से मिलना, जो खुद उत्पीड़न का मुकाबला कर रहे हों, अनेकानेक देशों और संस्कारों के कवियों को सुनना, और विचारों के आदान-प्रदान का ऐसा अवसर — मुझे तो यह ताज़ी हवा के झोंके-सा लगता था। जो लोग कहीं से भी उच्च मध्यम या बुर्जूवा वर्ग के नहीं हैं, उन्हें भी ऐसे लेखकों से मिलने और उनके साथ बातचीत करने का मौक़ा भी तो ऐसे उत्सवों में ही मिलता है!

लेकिन जयपुर लिटरेचर फ़ेस्टिवल, अरुंधति रॉय की आलोचना की सच्चाई का सबूत बन गया है। यह एक ऐसा त्योहार है, जो अनेक लेखकों और कवियों को तो आकर्षित करता है, लेकिन इस त्योहार के पाँच दिन अभिजात वर्ग के हित को भी अलग-अलग तरीके से साधते हैं। अन्यथा वेदांता और मारुति सुज़ुकी जैसे कॉर्पोरेट इस महोत्सव को प्रायोजित क्यों करते?

जयपुर साहित्योत्सव की तुलना ठीक ही महाकुंभ से की गयी है। हमारे राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्रों में से एक ने जयपुर साहित्योत्सव के बारे में बताया कि 卐दुनिया भर से 300 से अधिक वक्ता इस महाकुंभ में, जो साहित्य, कला और संगीतज का एक भव्य संगम होगा, देश और दुनिया के मुद्दों पर चर्चा करेंगे। शायद महाकुंभ का रूपक अच्छा है, क्योंकि सबसे बड़े धार्मिक उत्सव में हम तमाशा और आडंबर तो देखते हैं, लेकिन अपने समय के ज़रूरी मुद्दों पर बातचीत के लिए उसमें कोई जगह नहीं होती। वास्तविक दुनिया के सामने खड़ी चुनौतियों से दो-चार होने का इनमें कोई मौक़ा नहीं होता ; ऐसे मुद्दे, जिनसे कई लेखक वास्तव में जुड़े हो सकते हैं।

जब किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा की भी जाती है, तो चर्चा का प्रारूप ही प्रभाव को बहुत कम कर देता है। इसके विपरीत, केरल के कोझिकोड में उत्सव में, बुकर पुरस्कार विजेता उपन्यास 'प्रोफेट सॉन्ग' के आयरिश लेखक पॉल लिंच ने बताया कि कैसे उनकी किताब इस विषय पर है कि किस तरह लोग जान कर भी मानने को तैयार नहीं होते कि 'चीज़ें कितनी ख़राब हालत में हैं, कि सब कुछ खत्म हो चुका होना अब एक तथ्य है।'

तो चीज़ें कितनी ख़राब हालत में हैं?

वेदांता द्वारा पर्यावरण पर पड़नेवाला विनाशकारी प्रभाव और मारुति सुज़ुकी संयंत्रों में मजदूरों के काम के हालात, उस अंधकारमय भविष्य की एक झलक है, जो ग्रामीण और शहरी भारत के मज़दूरों की अगली पीढ़ी का इंतज़ार कर रही है।

मीडिया जयपुर साहित्योत्सव की जमकर तारीफ़ कर रहा है। इसका एक नमूना देखें : 卐ज्वेदांता प्रस्तुत करता है, मारुति सुज़ुकी के सहयोग से और विडा द्वारा संचालित, विश्व-स्तर पर किताबों और विचारों के भव्यतम जश्न के रूप में मान्यता प्राप्त जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2025, जो आज एक शांत गणेश वंदना के साथ शुरू हुआज।卐

उद्घाटन समारोह के बारे में पढ़कर मुझे याद आया कि 2012 में यूनियन की माँगों के चार्टर पर मारुति सुज़ुकी प्रबंधन की कैसी प्रतिक्रिया रही थी, जब मज़दूरों का गुस्सा फूट पड़ा था। जापानी प्रबंधन ने यह मानने से इंकार कर दिया था कि मज़दूरों के पास शिकायतों की कोई वजह है ; इसके बजाय उन्होंने विवाद को आपराधिक बना दिया था और पूरी ट्रेड यूनियन को हत्या के मामले में फँसा दिया गया था, जिसमें यूनियन के 13 नेताओं को अंततः आजीवन कारावास की सज़ा सुनायी गयी। 2,000 से अधिक श्रमिकों को बिना किसी विभागीय जाँच के काम से निकाल दिया गया। प्रबंधन ने मानेसर संयंत्र में 卐वास्तु मुद्दों卐 को सुलझाने के लिए बंगलुरु के एक प्रसिद्ध वैदिक ज्योतिषी को बुलाया। ज्योतिषी, दैवज्ञ के.एन. सोमयाजी को यह सुनिश्चित करने के लिए लाया गया था कि 18 जुलाई 2012 जैसी हिंसा फिर कभी न हो।

इस ज्योतिषी के अनुसार, समस्या की जड़ यह थी कि इस फैक्ट्री की 600 एकड़ भूमि का एक हिस्सा कभी कब्रगाह हुआ करता था। इसके अलावा, उन्होंने कहा, संयंत्र स्थापित करने के लिए साइट पर मौजूद तीन मंदिरों को तोड़ दिया गया था। स्थल पर बहुत अधिक नकारात्मक ऊर्जा थी। ज्योतिषी को दो से तीन सप्ताह तक चलने वाले अनुष्ठानों की एक श्रृंखला के माध्यम से साइट की सभी नकारात्मक ऊर्जा को शुद्ध करने के लिए कहा गया था।

यदि प्रबंधन भारतीय वैदिक ज्योतिष की प्रभावकारिता में विश्वास करता था, तो उन्हें यह स्वीकार करना चाहिए था कि कर्मचारी ऐसी शक्तियों के असर में थे, जो उनके नियंत्रण से परे थी और उनके ख़िलाफ़आपराधिक मामले दर्ज नहीं किए जाने चाहिए थे।

मारुति सुज़ुकी प्रबंधन भारतीय श्रम संहिताओं और श्रम क़ानूनों का लगातार उल्लंघन करता रहा है। वर्षों से वे स्थायी श्रमिकों को बाहर निकाल रहे हैं और केवल 18 से 26 वर्ष की आयु के श्रमिकों को रोज़गार दे रहे हैं ङ्क और वह भी केवल अस्थायी आधार पर।

बेरोज़गारी की चिंताओं और अनिश्चितताओं में भारत सरकार का स्किल इंडिया या कौशल भारत कार्यक्रम भी शामिल है, जिसने लगभग 30 करोड़ नौकरियाँ पैदा करने का वादा किया था। मारुति सुज़ुकी प्रशिक्षण संस्थान द्वारा प्रशिक्षित किये जाने वाले मजदूरों को दो साल के लिए लिया जाता है, लेकिन कुछ ही समय में उन्हें बिना कोई कौशल सिखाये असेंबली लाइन पर खड़ा कर दिया जाता है। उनसे स्थायी कर्मचारी की तरह ही काम कराया जाता है, लेकिन ऐसे वेतन पर, जो बमुश्किल न्यूनतम वैधानिक वेतन होता है।

मारुति सुज़ुकी के किसी भी प्लांट में काम कर चुके गैर-स्थायी कर्मचारियों ने हाल ही में 5 जनवरी, 2025 को एक यूनियन बनायी है। उन्होंने अपना माँग-पत्र श्रमायुक्त को दिया है। इन 5,000 पूर्व अस्थायी कर्मचारियों में से अधिकांश के लिए यूनियन ही एकमात्र आशा है। लेकिन उन्हें पुलिस लगातार परेशान कर रही है, दो अलग-अलग दिन उन्हें पूरा-पूरा दिन हिरासत में रखा गया और रात में रिहा किया गया। जहाँ मारुति सुज़ुकी कंपनी सबसे बड़े साहित्यिक महाकुंभ को प्रायोजित कर रही है, कर्मचारियों और पूर्व-कर्मचारियों को एहसास हो रहा है कि उनका कोई भविष्य नहीं है। सरकार ने नयी श्रम संहिता लागू करने के अपने फ़ैसले की घोषणा की है, जिसमें निश्चित अवधि के रोज़गार को वैधता मिली है। प्रबंधन ने श्रमायुक्त से कहा है कि नयी यूनियन को वह मान्यता नहीं देता। जयपुर लिटरेचर फ़ेस्टिवल में आने वाले हज़ारों आम लोग शायद नहीं जानते कि मारुति सुज़ुकी जैसी कंपनी भारतीय नागरिकों को उनके संवैधानिक अधिकारों से वंचित करने में क्या भूमिका निभा रही है। मज़दूरों का दर्द साहित्यिक महाकुंभ में अदृश्य है।

भारत में, जिस तरह से निजी पूँजी न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था और राजनीति पर, बल्कि सांस्कृतिक क्षेत्र पर भी असंगत प्रभाव डाल रही है, उसकी बहुत आलोचना नहीं हुई है। अंबानी और अडानी जैसे व्यक्तियों को निशाना बनाकर, हमने अन्य कॉरपोरेट्स की भूमिका को अदृश्य बना दिया है।

मारुति सुज़ुकी (और वेदांता) द्वारा जयपुर लिटरेचर फ़ेस्टिवल का प्रायोजन कॉर्पोरेट उदारता का एक मासूम कार्य नहीं है, बल्कि लेखकों, साहित्य, कविता और संस्कृति की क्रांतिकारी संभावनाओं को नियंत्रित करने की और उसके अन्तर्ध्वंस की कोशिश है। आज न सिर्फ़ इस तरह के प्रायोजन के ख़तरों को उजागर करने की ज़रूरत है, बल्कि लोगों की पीड़ाओं को सामने लाने और संस्कृति के क्षेत्र में उनके संघर्षों को प्रासंगिक बनाने के लिए इन मंचों का उपयोग करने की भी ज़रूरत है।

(लेखिका सुप्रसिद्ध मानवाधिकार कार्यकर्ता, वकील, पत्रकार और प्रचारक हैं। साभार : नया पथ)

बिलासपुर में बिना लाइसेंस चल रही पैथोलॉजी लैबों पर कार्रवाई की मांग

श्रमबिन्दु / बिलासपुर

एनएसयूआई के प्रदेश सचिव रंजेश सिंह ने बिलासपुर जिले में संचालित अवैध पैथोलॉजी लैबों और कलेक्शन सेंटरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने इस गंभीर समस्या को लेकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. प्रमोद तिवारी को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में उन्होंने आरोप लगाया कि जिले में बिना लाइसेंस के कई पैथोलॉजी लैब और कलेक्शन सेंटर संचालित हो रहे हैं। इनमें से कई लैबों में पैथोलॉजिस्ट की मौजूदगी तक नहीं है, जिससे मरीजों की जांच रिपोर्ट की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे हैं। इतना ही नहीं, मरीजों को डिजिटल सिग्नेचर वाली जांच रिपोर्ट थमाई जा रही है, जो सीएमएचओ द्वारा पूर्व में जारी आदेशों का खुला उल्लंघन है।

सीएमएचओ का सख्त आदेश, फिर भी जारी अनियमितता

करीब एक माह पूर्व सीएमएचओ डॉ. प्रमोद तिवारी ने जिले के सभी पैथोलॉजी लैब और कलेक्शन सेंटरों को निर्देश जारी किया था कि वे जांच रिपोर्ट में डिजिटल

सिग्नेचर का प्रयोग न करें। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया था कि ऐसा करने पर लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

इसके बावजूद शहर में दर्जनों लैब्स अब भी इस नियम का पालन नहीं कर रही हैं। डॉ. लाल पैथोलैब, मार्क हॉस्पिटल का लैब, डॉ. पैथोकेयर लैब और एंजिलस लैब सहित कई अन्य पैथोलॉजी सेंटर डिजिटल सिग्नेचर वाली रिपोर्ट जारी कर रहे हैं। इन लैबों के संचालक खुलेआम स्वास्थ्य विभाग के आदेशों की अवहेलना कर रहे हैं, लेकिन विभाग की ओर से अब तक कोई सख्त कार्रवाई नहीं की गई है।

बिना विशेषज्ञता हो रही जांच, मरीजों की जान को खतरा

बिलासपुर जिले के कई कलेक्शन सेंटर और लैब बिना किसी प्रमाणित पैथोलॉजिस्ट के ही संचालित हो रहे हैं। इन सेंटरों में रायपुर, दिल्ली और मुंबई की लैब कंपनियों की फ्रेंचाइजी लेकर स्थानीय स्तर पर जांच की जा रही है।

इन लैबों में सैंपल कलेक्ट करने के बाद बिना किसी विशेषज्ञता के खुद ही परीक्षण कर कंप्यूटर से जांच रिपोर्ट जारी कर दी जाती है। इस प्रक्रिया में गलत रिपोर्ट जारी होने की संभावना बढ़ जाती है, जिससे मरीजों को गलत इलाज मिल सकता है। गलत रिपोर्ट पर आधारित उपचार से मरीजों की जान तक खतरे में पड़ सकती है।

स्वास्थ्य विभाग करेगा सख्त कार्रवाई

सीएमएचओ डॉ. प्रमोद तिवारी ने कहा कि विभाग को कई पैथोलॉजी लैब और कलेक्शन सेंटरों की शिकायत मिली है, जो अभी भी डिजिटल सिग्नेचर का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन लैबों पर जल्द ही कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, जिले के अन्य लैबों की भी जांच कराई जाएगी ताकि अनियमितताओं को समाप्त किया जा सके।

मतगणना की तैयारियां पूरी, सवेरे 9 बजे शुरू होगी मतगणना

श्रमबिन्दु / बिलासपुर

नगरीय निकाय चुनाव 2025 के अंतर्गत 15 फरवरी को होने वाली मतगणना के लिए जिला प्रशासन द्वारा तमाम तैयारियां पूरी कर ली गई है। नगर निगम के लिए शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज कोनी में सवेरे 09 बजे से मतगणना का कार्य शुरू होगा। मतगणना स्थल पर यथासंभव तमाम व्यवस्थाएं की गई है। सवेरे 09 बजे सबसे पहले निर्वाचन कर्तव्य मतपत्र की गणना शुरू होगी। निर्वाचन कर्तव्य मतपत्र की गणना के लिए अलग से व्यवस्था की गई है। 02 टेबलों पर इनकी गिनती की जायेगी। ईवीएम मशीनों से गिनती के लिए 76 टेबल लगाए जा रहे है। मतगणना के लिए आज मतगणना दलों को मतगणना स्थल पर ही अंतिम प्रशिक्षण दिया गया। मतगणना स्थल पर केवल पासधारी व्यक्ति ही परिसर पर पहुँच पाएंगे। कई लेयर की जांच के बाद ही अंदर प्रवेश दिया जाएगा।

मतगणना शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से संपन्न कराने हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन

अधिकारी श्री अवनीश शरण के निर्देशन में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है। मतगणना स्थल में प्रवेश हेतु पुख्ता इंतजाम किए गए है। जगह-जगह पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। सुरक्षा बलों द्वारा चाक चौबंद-सुरक्षा की जाएगी।

मतगणना स्थल में अभिकर्ता अथवा अन्य कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रानिक उपकरण जैसे मोबाईल फोन, आई पेड, लैपटॉप, स्मार्ट वाच सहित अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरण नहीं ले जा सकते हैं।

नगर निगम बिलासपुर के महापौर और पार्षद मतों की गणना कोनी स्थित शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में होगी । इसके अतिरिक्त अन्य नगरीय निकायों की मतगणना स्थानीय स्तर पर चयनित गणना स्थल पर की जाएगी। इनमें नगर पालिका परिषद तखतपुर के लिए सांस्कृतिक भवन रामनगर, नगर पालिका परिषद रतनपुर के लिए शहीद नूतन सोनी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नगर पालिका परिषद बोदरी के लिए शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक शाला, नगर पंचायत बिल्हा के लिए सांस्कृतिक भवन महात्मा गांधी वार्ड क्रमांक 5, नगर पंचायत कोटा के लिए सांस्कृतिक भवन डीकेपी स्कूल और नगर पंचायत मल्हार के लिए नवोदय विद्यालय मल्हार शामिल है।

अंबेडकर अस्पताल में पहली कोरोनरी बाइपास सर्जरी सफल

श्रमबिन्दु / रायपुर

छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य सेवाओं में एक नया मील का पत्थर तब जुड़ा जब डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर के हार्ट सर्जरी विभाग में पहली कोरोनरी बाइपास सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस बहुप्रतीक्षित सुविधा की शुरुआत से राज्य के हृदय रोगियों को अब बेहतरीन इलाज स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध होगा।

यह ऐतिहासिक सर्जरी हार्ट सर्जरी विभाग के प्रमुख डॉ. कृष्णकांत साहू और उनकी विशेषज्ञ टीम ने की। मरीज दुर्ग जिले के 72 वर्षीय एक सेवानिवृत्त शासकीय कमर्चारी थे, जिन्हें गंभीर हृदय रोग था। उनकी लेफ्ट मेन कोरोनरी आटर्री में 65त्न और अन्य तीन नसों में 90-95त्न तक ब्लॉकेज था, जिसके चलते अन्य अस्पतालों में एंजियोप्लास्टी संभव नहीं थी।

मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने बाइपास सर्जरी की सलाह दी, जिसके लिए मरीज और उनके परिवार ने अंबेडकर अस्पताल को चुना।

सर्जरी की चुनौतियां और सफलता

यह ऑपरेशन बेहद जटिल था क्योंकि मरीज का हृदय केवल 35-40त्न क्षमता से काम कर रहा था और उन्हें क्रॉनिक किडनी डिजीज भी थी। ऐसे मरीजों में किडनी फेलियर और डायलिसिस की संभावना अधिक रहती है। बावजूद इसके, डॉ. साहू और उनकी टीम ने इस चुनौतीपूर्ण सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

क्या है कोरोनरी बाइपास सर्जरी

ओपन हार्ट सर्जरी में दिल के चेंबर को खोलकर इलाज किया जाता है, जबकि कोरोनरी बाइपास सर्जरी में दिल के मांसपेशियों को रक्त पहुंचाने वाली बंद नसों के पास नई नसें (ग्राफ्ट) जोड़ी जाती हैं। यह सर्जरी दो प्रकार की होती है- पहली आन-पंप सीएबीजी, हार्ट-लंग मशीन की सहायता से और दूसरी आफ-पंप बीटिंग हार्ट सर्जरी, बिना मशीन के।

स्वास्थ्य सेवाओं में नया युग

प्रदेश के स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया, चिकित्सा शिक्षा आयुक्त किरण कौशल, अधिष्ठाता डॉ. विवेक चौधरी और अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर के मार्गदर्शन में यह उपलब्धि संभव हुई। इस सफलता से रायपुर के अंबेडकर अस्पताल को राज्य के सबसे भरोसेमंद हृदय रोग उपचार केंद्रों में शामिल कर दिया गया है।

यह ऐतिहासिक उपलब्धि न केवल छत्तीसगढ़ के हृदय रोगियों के लिए नई उम्मीद लेकर आई है बल्कि यह राज्य की चिकित्सा सुविधाओं को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत पहचान दिलाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

नीरज फाउंडेशन स्कूल में दूसरा वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया गया बच्चों के साथ उनकी मम्मी एवं दादा दादियों ने भी स्टेज में दी प्रस्तुति

श्रमबिन्दु / पत्थलगांव

पत्थलगांव नीरज फाउंडेशन स्कूल बच्चों के शैक्षणिक विकास के साथ उनके शारीरिक-मानसिक बौद्धिक विकास में अहम रोल अदा कर रही है स्कूल का दूसरा वार्षिक उत्सव धूमधाम से अग्रसेन भवन में मनाया गया जिसके मुख्य अतिथि पत्थलगांव के थाना प्रभारी श्री विनीत पांडे विशिष्ट अतिथि भारतीय जनता पार्टी ग्रामीण मंडल प्रभारी हरजीत सिंह भाटिया सर्वप्रथम मां सरस्वती की प्रतिमा के सामने पुष्पमाला चढ़ाकर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया बच्चों के द्वारा 21 संस्कृतिक छत्तीसगढ़ी धार्मिक शिवताण्डव क्लासिक नृत्य रेट्रो थीम रही आकर्षण का केंद्र

कार्यक्रम की विशेषता बच्चों के साथ उनकी मम्मी एवं दादा दादी ने भी बच्चों के उत्साह वर्धन के लिए स्टेज में प्रस्तुति दी बच्चों ने कार्यक्रम के दौरान हनुमान-चालीसा का सुंदर पठन किया कार्यक्रम की खासियत रही बच्चोंके द्वारा ही एंकरिंग की गई साल भर विभिन्न परीक्षा एवं प्रतियोगिता में अव्वल आये बच्चों को ट्राफी देकर सम्मानित किया गया छोटे बच्चोंके द्वारा दी गई मनमोहक प्रस्तुति का दर्शकों ने खूब आनंद उठाया कार्यक्रम की सफलता के लिए स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती हरनीश कौर भाटिया एवं डायरेक्टर श्रीमान सन्नी भाटिया ने सभी आगंतुक अतिथि, अभिभावकों एवं दर्शकों का आभार प्रकट किया।

ओपन थिएटर से गढ़कलेवा में शिफ्ट कराई गई चैपाटी

श्रमबिन्दु / कोरबा

कोरबा अंचल के ओपन थिएटर क्षेत्र में खोमचा कारोबार को संचालित करने की जिद्द कर रहे व्यवसायियों को आखिरकार गढकलेवा में जाना पड़ा। निगम के दबाव पर उन्हें गढकलेवा में भेज दिया गया है। संतुष्टि के लिए प्रवेश द्वार पर चैपाटी लिख दिया गया है ताकि संदेह दूर हो सके।

कोरबा जिला नगर निगम का कहना है कि जिस उद्देश्य से गढकलेवा बनाया गया और उस पर कई प्रकार के सुधार कार्य कराए गए ऐसे में उपयोगिता तय होना चाहिए। बेमन से नई जगह पर पहुंचे कारोबारियों ने फिर दोहराया कि व्यवसाय की स्थिति देखेंगे और अच्छे नतीजे नहीं आने पर फिर पुरानी जगह पर आएंगे।

फास्ट फूड से लेकर कई प्रकार के खानपान की चीजों पर आधारित खोमचा कारोबार से जुड़े हुए लोगों की संख्या सबसे ज्यादा है, जो कोरबा के ओपन थिएटर क्षेत्र में लंबे समय से अपनी दुकान लगाते रहे हैं। लगातार इनकी संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। इनसे अलग हटकर इतनी ही संख्या में ऐसे कारोबारी के महानदी कंपलेक्स, निहारिका,कोसाबाड़ी, ट्रांसपोर्ट नगर, सीएसईबी चैक, ओवर ब्रिज अग्रसेन रोड से लेकर सीतामढ़ी तक अपनी दुकानें संचालित कर रहे हैं।

इसके माध्यम से उन्हें इतनी आमदनी हो जा रही है जिसके जरिए अपने परिवार की जीविका को आसानी सक्षम और समर्थ हो पा रहे हैं। ओपन थिएटर क्षेत्र को विभिन्न कार्यक्रमों के लिए सुरक्षित किया गया है और इस प्रकार की व्यवस्थाएं की गई है। आए दिन यहां पर राजनीतिक सभाओं से लेकर विभिन्न संस्थाओं के कार्यक्रम होते हैं। इस वजह से सभा स्थल के आसपास खोमचा कारोबार करने लोगों को हटाना पड़ता है। इस पर भी उनकी नाराजगी स्वाभाविक रूप से सामने आती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका निगम ने पिछले वर्षों में लगभग 20 लाख रुपए खर्च कर नजदीक में ही गढ़कलेवा को विकसित किया। हालांकि कुछ महीने तक ही इस स्थान पर छत्तीसगढ़ी व्यंजनों के साथ दूसरे कारोबार चल सके। चोरी-चकारी के काम में लगे तत्वों की गतिविधियों से यहां का काफी सामान चोरी हो गया और इसी बहाने के साथ कारोबार करने वाले लोग एक बार फिर से ओपन थिएटर में जम गए। लंबे समय तक इन्हें राहत मिली लेकिन निगम ने आखिरकार पुराने गढ़कलेवा को ही चैपाटी के नए नाम से संचालित करने की नीति बनाई और इस पर क्रियान्वयन करना सुनिश्चित किया।

इस जगह पर ग्राहक नहीं आने और व्यवसाय नहीं होने की बात करते हुए कारोबारी ने दबाव बनाया और लंबे समय तक राहत प्राप्त कर ली। लेकिन व्यवस्था होने के बाद निगम ने नई जगह पर कारोबारी की शिफ्टिंग आखिरकार कर दी है। ऐसे लोगों को मौके पर जगह दी गई है और कहा गया है कि अब उन्हें यहां पर ही अपना काम करना होगा। ऐसे कारोबारी को यहां पर अपने ठिकाने ले जाते हुए देखा गया। उनका कहना है कि जो व्यवस्था दी गई है उसके हिसाब से काम तो करना ही होगा।

चैपाटी संगठन के एक प्रतिनिधि ने बताया कि वे कम से कम एक महीने यहां पर अपने लोगों के साथ काम करेंगे।

खास खबर

बालको हॉस्पिटल में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के साथ डायलिसिस यूनिट की शुरुआत

कोरबा-बालकोनगर। बालको हॉस्पिटल में किडनी रोगियों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से डायलिसिस यूनिट की शुरुआत की गई है। इस अत्याधुनिक यूनिट की स्थापना से उन मरीजों को सुलभ और उच्च-गुणवत्ता वाली चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी, जिन्हें नियमित डायलिसिस की आवश्यकता होती है। बालको हॉस्पिटल वर्षों से क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहा है। डायलिसिस यूनिट की शुरुआत के साथ, अब किडनी रोगियों को बेहतर इलाज के लिए अन्य शहरों की यात्रा नहीं करनी पड़ेगी। इस यूनिट में नवीनतम मशीनों और तकनीकों का उपयोग किया गया है, जिससे मरीजों को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त होंगी।

डायलिसिस यूनिट का शुभारंभ सुश्री देशनी नायडू, सीईओ वेदांता रिसोर्सेस द्वारा किया गया। इस अवसर पर बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेश कुमार के साथ ही अन्य अधाकारी उपस्थित थे। बालको हॉस्पिटल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विवेक सिन्हा ने बताया कि इस यूनिट की स्थापना से उन मरीजों को विशेष लाभ मिलेगा, जिन्हें क्रोनिक किडनी डिजीज (ब्लक) या अन्य किडनी संबंधी समस्याओं के कारण नियमित डायलिसिस की जरूरत होती है।

खुटेरा गांव में सरपंच पद की प्रक्रिया फिर से शुरू कराकर निष्पक्ष चुनाव कराए निर्वाचन आयोग

पीड़ित पक्ष ने प्रशासन पर लगाया पक्षपात का आरोप।

श्रमबिन्दु / बिलासपुर

बिलासपुर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तहत तीसरे और अंतिम चरण में मुंगेली जिले में होने वाले पंचायत चुनाव के लिए नामांकन फार्म भरने के दौरान की गई गुंडागर्दी, नामांकन फॉर्म ना भरने देने और महिला के साथ बदसलूकी करने को लेकर निर्वाचन आयोग से न्याय की गुहार लगाई गई है। दरअसल यह मामला ग्राम पंचायत खुटेरा, ब्लाक-पथरीया, जिला-मुंगेली की है। इस मामले का वीडियो सोशल मीडिया और अखबारों की सुर्खियां भी बनी। शुक्रवार को पीयूसीएल के छत्तीसगढ़ स्टेट कमेटी के उपाध्यक्ष लखन सुबोध पीड़ित पक्ष सेवानिवृत्त शिक्षक रघुसिंह ठाकुर, उनकी पत्नी शैल सिंह ठाकुर और पुत्र विनय सिंह ठाकुर को लेकर बिलासपुर प्रेस क्लब पहुंचे। यहां उन्होंने पूरी घटना की जानकारी देकर निर्वाचन आयोग से ग्राम पंचायत खुटेरा में फिर से नामांकन

की प्रक्रिया शुरू कर पंचायत चुनाव कराए जाने की मांग की है। पीड़ित दंपत्ति ने बताया कि नामांकन भरने के दौरान उनके साथ भाजपा नेता विनोद सिंह ठाकुर और उनके लोगों के द्वारा बदसलूकी की गई है।नामांकन फार्म ना भरने देने और गाली गलौज किए जाने की शिकायत रघुसिंह ठाकुर द्वारा शासन प्रशासन से लिखित रूप में की गई है। पुलिस थाना में भी रिपोर्ट किया गया। बावजूद आरोपी के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई है, और न ही, उस कथित निर्विरोध सरपंच चुनाव को निरस्त किया गया है। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि पंचायत चुनाव में भाजपा सदस्य व सरपंच प्रत्याशी विनोद सिंह ठाकुर ने प्रतिद्वंदी प्रत्याशी बनने जा रहे रघुसिंह ठाकुर को जोर जबरदस्ती, गाली-गलौज, गुण्डागर्दी कर नामांकन फार्म भरने से रोकने की भरपूर कोशिश की,एवं प्रतिद्वंदी प्रत्याशी की धर्मपत्नि का हाथ पकड़कर दुर्व्यवहार किया। यही नहीं जैसे तैसे भरे गए नामांकन फार्म को निरस्त कर विनोद सिंह ठाकुर को निर्विरोध निर्वाचित कराने में निर्वाचन कर्मचारियों द्वारा सहयोग प्रदान किया गया है।

क्क्टरु ने इस घटना की उच्चस्तरीय जांच कर लोकतंत्र के हत्यारे को गिरफ्तार करने एवं 23 फरवरी को होने जा रहे इस निर्वाचन को रद्द कर नये चुनाव कराने की मांग की है।श्री सुबोध ने कहा कि

इस घटना से यह स्पष्ट हो गया है कि, वर्तमान में शासन-प्रशासन व निर्वाचन आयोग लोकतंत्र को खत्म कर अपने मनचाही तानाशाही ला रहा है।

पशु तस्करी में शामिल वाहन मालकिन की हुई गिरफ्तारी

ऑपरेशन शंखनाद के तहत् जशपुर पुलिस ने आरोपिया को सरिया रायगढ़ से धर दबोचा

श्रमबिन्दु / पत्थलगांव

विवरण इस प्रकार है कि वर्ष 2023 में चौकी दोकड़ा पुलिस के द्वारा एक बिना नंबर प्लेट के बोलेरो पिकअप वाहन से 10नग गौ वंशों को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया गया था, साथ ही आरोपी वाहन चालक हसनैन रजा पिता अब्दुल कयूम निवासी साई टांगरटोली थाना लोदाम को गिरफ्तार कर 4,6,10 छ ग पशु परि. अधि.2004 के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।पुलिस की पूछताछ में आरोपी हसनैन रजा ने बताया था कि उक्त पिकअप वाहन तथा गौ वंशों का मालिक इमरान खान निवासी केराडीह सुखरापारा, थाना नारायणपुर तथा उसका अन्य साथी वीरेंद्र सुमन निवासी मटासी हर्रा टोली, थाना नारायणपुर, जिला जशपुर (छ. ग) है, उनके कहने पर ही वह गौ वंशों को पिक अप वाहन से झारखंड राज्य की ओर ले जा रहा था दोनो आरोपी इमरान व बीरेंद्र सुमन घटना दिनांक से ही फरार थे, जिनकी जशपुर पुलिस लगातार पता साजी कर रही थी।इसी क्रम में जशपुर पुलिस के द्वारा एक आरोपी इमरान को 08.07.24 को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है, वहीं अन्य आरोपी बीरेंद्र सुमन को 07.10.24 को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। जशपुर पुलिस के द्वारा गौ वंश तस्करी में संलिप्त बिना नंबर प्लेट के बोलरो पिकअप वाहन के संबंध में भी जांच विवेचना की जा रही थी, विवेचना दौरान आर टी ओ से पता चला कि उक्त बोलेरो पिकअप वाहन का पंजीकृत नंबर ष्टत्न 13ष्ठ2036 है, जो कि आरोपीया दीप किरण सोरेंग पिता अंजलुस सोरेंग, उम्र 45 वर्ष, निवासी रनपुर, थाना नारायणपुर के नाम से पंजीकृत है । जब इस संबंध में आरोपिया दीप किरण सोरेंग से पूछताछ करने पर उसके द्वारा पशु

तस्करी में प्रयुक्त पिकअप वाहन की संलिप्तता के संबंध में व आरोपियों को वाहन किराए पर देने हेतु किराए नामे के बारे में किसी भी प्रकार की वैध दस्तावेज पेश नहीं किया गया। अत: पुलिस के द्वारा आरोपियों को अवैध रूप से वाहन में पशु लोड कर तस्करी करने हेतु अपने बोलेरो पिक अप वाहन मुहैया कराने पर वाहन मालकिन दीप किरण सोरेंग के विरुद्ध चौकी दोकड़ा में 4,6,10 छ ग पशु परि. अधि.2004 के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर, आरोपिया को सरिया, रायगढ़ से गिरफ्तार कर लाया गया। आरोपिया दीप किरण सोरेंग पिता अजलूस सोरेंग उम्र 45 वर्ष निवासी रनपुर थाना नारायणपुर जिला जशपुर (छ. ग) के द्वारा अपराध स्वीकार करने व अपराध सबूत पाए जाने पर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

पके कटहल को करें डाईट में शामिल, दूर होंगी कई बीमारियां

गर्मियों के मौसम में कटहल हर कोई खाना पसंद करता है। इसमें फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही आवश्यक है। पके कटहल में प्रोटीन भी बहुत ही अधिक मात्रा में पाया जता है। इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम हृदय संबंधी समस्याओं को दूर रखने में मदद करता है। कटहल आपके लिवर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होता है। तो चलिए आपको बताते हैं कि पका कटहल खाने से आपकी सेहत को और कौन-कौन से फायदे हो सकते हैं.

कटहल के पत्ते भी हैं फायदेमंद

कटहल ही नहीं बल्कि उसके पत्ते भी आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। जिनके मुंह में छाले की समस्या होती है उन्हे कटहल के पत्ते को चबाना चाहिए। इससे उनकी मुंह के छालों में काफी आराम मिलेगा।

दिल रहेगा स्वस्थ

पका हुआ कटहल आपके हृदय के लिए भी बहुत ही लाभकारी माना जाता है। इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है।

पाचन मजबूत

गर्मियों में यदि आपको खाना नहीं पच पाता तो आप पके हुए कटहल को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। यह पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करके आपका वजन सुधारने में भी मदद करता है।

वजन होगा कम

पके हुए कटहल में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी पाए जाते हैं जो आपके शरीर में बढ़ते हुए मोटापे को रोकने में मदद करते हैं। इसका अलावा इसे रेसवेरास्ट्रॉल नाम के एंटीऑक्सीडेंट का भी बहुत ही अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह आपके रक्त के संचार को कंट्रोल करन में भी मदद करता है।

इम्यूनिटी होगी स्ट्रांग

पके कटहल में विटामिन सी भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन-सी आपके शरीर में एक एंटीऑक्सीडेंट के रुप में कार्य करता है। इसका सेवन करने से आपकी इम्यूनिटी स्ट्रांग होती है। साथ ही यह आपके शरीर के लिए इम्यूनिटी बूस्टर की तरह काम करता है।

लिवर रहता है स्वस्थ

पके कटहल का सेवन करने से आपका लिवर भी स्वस्थ रहता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व आपके लिवर को मजबूत बनाते हैं। इसमें राइबोफ्लेविन, जिंक, कॉपर और नाइसिन जैसे तत्व पाए जाते हैं जो लिवर को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

गठिया का रामबाण इलाज है कच्चे पपीते की चाय

उम्र बढ़ने के साथ-साथ या फिर कैल्शियम की कमी से हड्डियों से जुड़ी समस्याएं होना आम बात है। इन्हीं में से एक समस्या है गठिया की, जिससे कई लोग परेशान होते हैं। इसमें जोड़ों में दर्द, यूरिक एसिड के क्रिकेट का जोड़ों में जमा होना जैसी समस्याएं आती है। इससे बचने के लिए या फिर इलाज के लिए आप काफी कुछ आजमा चुके हैं और फिर भी कोई असर नहीं होता, तो इसका एक बेहतरीन घरेलू उपाय है हमारे पास। ये उपाय है कच्चे पपीते की चाय। जी हां, आपको जानकर हैरानी होगी कि पपीते की चाय का सेवन आपकी गठिया की समस्या समाप्त कर सकती है। मेडिकल साइंस की दुनिया में भी इस चाय का काफी महत्व है। पपीता शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा को घटाता है और इसमें सूजन को दूर करने वाले गुण होते हैं।

विधि - इस चाय को बनाने के लिए आपको चाहिए - पानी, कच्चा हरा पपीता, ग्रीन टी बैग या ग्रीन टी की पत्तियां। अब चाय बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में पानी लेकर उसमें कच्चे पपीते के टुकड़े डाल दें और इसे आंच पर रख दें। जब यह उबलने लगे, तो आंच बंद करके इसे थोड़ा ठंडा होने के लिए रख दें। इस इसे छान लें और इसमें ग्रीन टी डालकर लगभग 3 मिनट के लिए छोड़ दें। अब यह चाय पीने के लिए तैयार है, इसे गर्मागर्म या गुनगुनी ही पिएं।

जानिए पपीते की इस चाय के फायदे -

- गठिया की समस्या में फायदेमंद।
- शारीरिक सूजन कम करने में मददगार।
- ब्लड प्लेटलेट्स की संख्या बढ़ाने में मददगार।
- शरीर के अवांछित तत्वों को बाहर कर आंतरिक सफाई में मददगार।

बीपी-शुगर में रामबाण है ब्लैक राइस

आपने आज तक सफेद या ब्राउन चावल के बारे में सुना होगा। लेकिन क्या आपने काले चावल के लाभ के बारे में सुना है। अगर नहीं तो चलिए आज हम आपको बताते हैं काले चावल के बेमिसाल फायदे।

हमारे देश में चावल का सेवन सदियों से किया जा रहा है। बिरयानी से लेकर डोसा और इडली तक चावलों से ना जाने कितने ही व्यंजनों को तैयार किया जाता है। आज से कुछ समय पहले तक ज्यादातर लोगों को केवल सफेद चावल के बारे में ही जानकारी थी। लेकिन अब लोग चावल की अलग-अलग किस्मों को ना केवल जान रहे हैं बल्कि इनका सेवन भी कर रहे हैं। ऐसे में आप काले चावल को ही ले लीजिए। दरअसल काले चावल ओरीजा सैटिवा प्रजाति से आते हैं। प्राचीन काल में चीन के अंदर इन काले चावल के पोषक तत्वों को देखते हुए इसे रॉयल्टी में शामिल किया गया था। आपको बता दें कि काले चावल के अंदर कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट गुण और अन्य पोषक तत्व होते हैं जो आपको जिंदगी भर सेहतमंद रख सकते हैं। आज इन काले चावलों के जरिए विश्व भर में तरह-तरह की खाद्य सामग्री तैयार की जाती है। जिनका लुत्फ आप भी उठा सकते हैं। लेकिन इससे पहले जरा काले चावल के फायदे जानिए।

आयरन और प्रोटीन का खजाना

अगर आप अपनी रोजाना की डाइट में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाना चाहते हैं, तो आप काले चावल का सेवन कर सकते हैं। आपको बता दें कि 10 ग्राम ब्लैक राइस में लगभग 9 ग्राम प्रोटीन होती है, जो ब्राउन राइस के मुकाबले कहीं अधिक है। यही नहीं इसमें आयरन भी मौजूद होता है जो शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए बेहद जरूरी है। इसके अलावा इसमें कुछ अन्य पोषक तत्व हैं जो कुछ इस प्रकार हैं।

45 ग्राम चावल में पोषक तत्व की मात्रा

कैलोरी - 160
फैट - 1.5 ग्राम
प्रोटीन - 4 ग्राम
कार्ब्स - 34 ग्राम
फाइबर - रोजाना की जरूरत का 6 प्रतिशत

इसके 23 एंटीऑक्सीडेंट हृदय रोग और अल्जाइमर से बचाते हैं

आज तक आपने ऐसी बहुत सी खाद्य सामग्रियों का सेवन किया होगा जिनमें एक, दो या पांच एंटीऑक्सीडेंट होंगे। लेकिन ब्लैक राइस में एक या दो नहीं बल्कि पूरे 23 एंटी ऑक्सीडेंट तत्व पाए जाते हैं। यह एंटीऑक्सीडेंट गुण आपको ऑक्सीडेटिव तनाव से राहत दिलाते हैं। ज्ञात हो कि ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस की वजह से कैंसर, हृदय रोग और अल्जाइमर जैसी समस्या पैदा होती है। आप इन सभी समस्याओं से ब्लैक राइस की वजह से बचे रह सकते हैं। यही नहीं इसके अंदर कई तरह के फ्लेवोनोइड्स और कैरोटीनॉयड होते हैं। यह भी आपको सेहतमंद बनाए रखने में मदद करते हैं। इस लिहाज से आप ब्लैक राइस को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

हृदय के लिए फायदेमंद

अब तक ब्लैक राइस को लेकर कई शोध हो चुके हैं जो हृदय रोगों से बचाने के दावे कर रहे हैं। हालांकि यह अध्ययन अभी उतने अधिक नहीं हुए हैं। आपको बता दें कि ब्लैक राइस को लेकर जानवरों और इंसानों पर कई शोध हुए हैं जिनमें एंथोसायनिन की भूमिका को जांचा गया है। इसके सेवन से कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड के स्तर में सुधार देखा गया है। अध्ययनों को देखकर लगता है कि यह हृदय के लिए फायदेमंद है। लेकिन अभी इस पर कुछ और अध्ययनों की आवश्यकता भी है।

कैंसर से बचाए

ब्लैक राइस को लेकर हुए कई अध्ययनों में ऐसा पाया गया है कि जो लोग अधिक मात्रा में एंथोसायनिन का सेवन करते हैं उन्हें कोलोरेक्टल कैंसर होने का खतरा कम होता है। इसके अलावा हुए टेस्ट ट्यूब अध्ययन में पया गया कि काले चावल में मौजूद एंथोसायनिन ने महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की कोशिका को कम कर दिया। साथ कैंसर के फैलने की गति को भी धीमा कर दिया। इन अध्ययनों में भले ही अब तक अच्छे प्रमाण हासिल हुए हों। लेकिन अभी इस पर अन्य अध्ययन की आवश्यकता है।

आंखों के लिए फायदेमंद

ब्लैक चावल के अंदर जेक्सैन्थिन और ल्यूटिन मौजूद होता है जो दो प्रकार की कैरोटीनॉयड यह आंखों को स्वस्थ रखने में कारगर सिद्ध हो सकते हैं। आपको बता दें कि यह यौगिक आपकी आंखों को नुकसान पहुंचाने वाले हानिकारक मुक्त कणों से राहत दिला सकते हैं। साथ ही ब्लैक राइस के अंदर मौजूद इन गुणों पर जब अध्ययन किए गए तो इसमें पाया गया कि यह मोतियाबिंद जैसी समस्या से भी राहत दिला सकते हैं जो एक उम्र के बाद लोगों को होने लगती है। हालांकि इस पर अभी अध्ययन केवल चूहों पर ही किया गया है इंसानों पर नहीं।

वजन घटाने में असरदार

अगर आप वजन घटाना चाहते है तो आप ब्लैक राइस का सेवन कर सकते हैं। आपको बता दें कि ब्लैक राइस के अंदर मौजूद प्रोटीन और फाइबर आपका पेट भी लंबे समय तक भरा रख सकते हैं और आपका वजन घटाने में कारगर सिद्ध हो सकते हैं। इसके अलावा एंथोसायनिन को भी वजन घटाने में कई अध्ययनों में कारगर माना गया है। हालांकि यह रिसर्च अभी तक इंसानों पर नहीं हुई हैं। इसलिए इस पर अभी और अध्ययन बाकी हैं।

ग्लूटेन फ्री है ब्लैक राइस

आप शायद जानते ही होंगे कि ग्लूटेन फ्री एक तरह का प्रोटीन होता है जो कई तरह के अनाज में पाया जाता है जैसे गेहूं, जौ और राई आदि। ऐसे लोग सीलिएक रोग से पीड़ित लोगों को इस प्रोटीन से बचना होता है क्योंकि यह उनकी आंत को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में अगर आप सीलिएक रोग से पीड़ित हैं तो आप ब्लैक राइस का लुत्फ ले सकते हैं, क्योंकि यह आपकी स्थिति को बिगाड़ेगा नहीं।

इन कामों को करने वाले सबसे ज्यादा झेलते हैं साइटिका का दर्द

क्या आपको अक्सर कमर से लेकर पैरों तक तेज दर्द या जलन महसूस होती है, तो यह साइटिका या साइटिका की समस्या हो सकती है। आइए जानते हैं साइटिका के होने की वजह और इसके उपाय एवं इलाज के बारे में।

मानव शरीर के अंदर करीब 206 हड्डियां होती हैं। इनमें से अगर किसी में भी जरा दिक्कत शुरू हो जाए तो उसका असर पूरे शरीर पर पड़ता है। साथ ही आप एक भंयकर और जानलेवा दर्द से गुजरने लगते हैं। ऐसा ही कुछ होता है साइटिक नर्व में। इस स्थिति से जूझने वाले व्यक्ति को कमर से लेकर कूल्हों और पैरों तक बहुत तेज दर्द, जलन, और सुन्न होने की समस्या होने लगती है। इस स्थिति में दरअसल साइटिका के जरिए ही आप अपने पैरों को नियंत्रित कर पाते हैं और पैरों को महसूस इसकी वजह से होता है। साइटिका के उपचार या उपाय का तरीका जानने से पहले जरूरी है कि आप इस दर्द को सही प्रकार समझ लें। ऐसे में साइटिका दर्द की समस्या के कारण और उपचार के तरीकों और जटिलताओं के बारे में बता रहे हैं पेन स्पेशलिस्ट।

क्या है साइटिका का दर्द

साइटिका नर्व आपकी रीढ़ की हड्डी से शुरू होकर आपके कूल्हों से लेकर आपके पैरों तक जाती है। यह मानव शरीर की सबसे महत्वपूर्ण तंत्रिकाओं में से एक है। आमतौर पर यह दर्द लोगों को 30 साल के बाद ही होता है। यूं तो साइटिका पेन एक अस्थाई दर्द ही है जो खुद भी ठीक हो जाता है और इसके लिए दवा और कुछ उपायों की आवश्यकता भी हो सकती है। साइटिका नर्व में हुई समस्या से जूझ रहे मरीजों को कमर दर्द, पैरों में सुन्नपन आ जाना या दर्द अनुभव होता है। साइटिका को कटिस्नायुशूल के नाम से भी जाना जाता है। आइए जानते हैं इस दर्द की वजह या कारणों के बारे में।

किस वजह से होता है साइटिका

साइटिका की समस्या के पैदा होने की यूं तो कई वजह होती हैं। लेकिन डॉक्टर अमोद बताते हैं कि इस दर्द की मुख्य वजह स्लिप डिस्क होती है। आपको बता दें कि हमारी रीढ़ की हड्डी में बहुत सी हड्डियां होती हैं और इसके आगे एक डिस्क होती है, जिसे आप किसी कुशन की तरह समझ सकते हैं। इसकी वजह से हम आसानी से कमर को मोड़ सकते हैं। लेकिन जब यह डिस्क अपनी जगह से हिल जाती हैं तो इसके पीछे निकलने वाली नसों पर दबाव पड़ने लगता है। अब यह नस जहां तक जाती हैं वहां तक साइटिका का दर्द हो सकता है। लेकिन ऐसा नहीं है कि साइटिका के दर्द का केवल यही कारण है। इसकी कई वजह हो सकती हैं जो कुछ इस प्रकार हैं।

- धूम्रपान-खराब लाइफस्टाइल बनते हैं साइटिका का कारण
- अगर हड्डियों की एलाइनमेंट खराब हो तो भी साइटिका पेन हो सकता है।
- उम्र के साथ बॉडी पॉश्चर में बदलाव आता है जिसकी वजह से भी यह समस्या हो सकती है।
- अगर कोई व्यक्ति अधिक वजन उठाने के कार्य करता है तो भी यह स्थिति उत्पन्न हो सकती है।
- खराब जीवन शैली भी साइटिका पेन की वजह बन सकता है।
- ऐसे लोग जिनका वजन अधिक है उन्हें भी साइटिका का दर्द हो सकता है।
- अधिक धूम्रपान करने वाले लोगों को भी साइटिका का दर्द हो सकता है।

साइटिका का परीक्षण कैसे

आमतौर पर लोगों को लगता है कि साइटिका की स्थिति के बारे में जानने के लिए उन्हें एक्सरे कराना होगा। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। एक्सरे दूसरी कई समस्या में काम आ सकता है। लेकिन साइटिका के बारे में सही जानकारी प्राप्त करने के लिए आपको MRI ही करवाना होता है।

साइटिका से जुड़े भ्रम और सच

साइटिका के दर्द को लेकर राहत की बात यह है कि यह तीन महीने के अंदर-अंदर ठीक भी हो सकती है। हालांकि कुछ लोगों को ऐसा लगता है कि साइटिका की स्थिति में केवल सर्जरी ही एक विकल्प होता है। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है क्योंकि इस स्थिति में महज 1 प्रतिशत लोगों को ही सर्जरी की जरूरत पड़ती है। बाकि अन्य साधारण उपाय से भी ठीक हो जाते हैं।

साइटिका का उपचार का तरीका

साइटिका के दर्द से राहत दिलाने और इसे हील करने के लिए डॉक्टर आपको कई तरह की पेन किलर दवाओं का सेवन करने की सलाह दे सकते हैं। इन दवाओं से आपको काफी हद तक आराम मिल सकता है। पेन किलर दवाओं का असर ना होने पर कई मामलों में डॉक्टर साइटिका की समस्या में आपके उसी हिस्से पर इंजेक्शन लगाते हैं जहां दर्द हो। इलाज की इस प्रक्रिया से जल्दी ही दर्द से राहत मिलने लगती है। वहीं अगर इनमें से कोई भी उपाय काम नहीं करता तो डॉक्टर आपको सर्जरी कराने का विकल्प देते हैं।

कैसे ठीक होता है साइटिका

अगर आपको साइटिका की समस्या है तो डॉक्टर आपको वजन घटाने, धूम्रपान छोड़ने, और एक सही जीवन शैली का पालन करने की सलाह दे सकते हैं। डॉक्टर अमोद कहते हैं कि इस समस्या में सर्जरी का विकल्प सबसे आखिरी होता है। वहीं दवाओं और इंजेक्शन के माध्यम से सर्जरी को टाला जा सकता है। जबकि कई मामलों में यह स्थिति खुद भी ठीक हो जाती है।

चीनी खाने से कैसे बढ़ता है आपका वजन?

चीनी का इस्तेमाल हर घर में होता है। चाय, कॉफी और मिठाईयों के अलावा रोजमर्रा की ऐसी कई चीजें हैं, जिनमें शुगर की मात्रा बहुत ज्यादा होती हैं। ऐसे में चीनी का सेवन कम से कम करना चाहिए क्योंकि चीनी का सेवन ज्यादा करने से आपका वजन तेजी से बढ़ता है। आइए, जानते हैं कि चीनी कैसे बढ़ाती है आपका वजन-

फ्रक्टोज इंसुलिन प्रतिरोध का कारण बनता है

चीनी का अधिक मात्रा में सेवन करना आपके ब्लड में इन्सुलिन के स्तर को बढ़ा देता है, जो आपके खाद्य पदार्थो से एनर्जी को कम करता है और उसे फैट सेल्स में परिवर्तित करता है और जब शरीर में फैट की मात्रा अधिक हो जाती है, जो आपका शरीर आपके मष्तिष्क को भूख लगने का संकेत पहुंचाता है।

फ्रक्टोज लेप्टीन नामक हार्मोन के प्रतिरोध का कारण

फ्रक्टोज लेप्टिन नामक हार्मोन के प्रभाव से वजन बढ़ने की समस्या होती है। लेप्टीन वसा कोशिकाओं द्वारा उत्पादित होता है। वसा कोशिका जितनी बड़ी होगी, उतना अधिक लेप्टिन का उत्पादन होगा। इस वजह से शरीर में अधिक वसा जमा हो जाती है और साथ ही वजन भी बढ़ता है।

फ्रक्टोज ग्लूकोज की तरह काम नहीं करता

ग्लूकोज आपके पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, लेकिन फ्रक्टोज के सेवन से ऐसा कुछ महसूस नहीं होता है, बल्कि फ्रक्टोज के सेवन से आपको अधिक भूख महसूस होती है और इस वजह से आप कैलोरी और फैट का सेवन अधिक मात्रा में करते हैं।

फ्रक्टोज आपकी भूख को बढ़ाता है

फ्रक्टोज आपके हंगर हॉर्मोन को नियंत्रित करने में मदद नहीं करता है और इस वजह से खाने के बाद भी आपको अधिक भूख लगती है। ऐसे में कैलोरी का सेवन करते हैं जो आपके शरीर में एक्सट्रा फैट को बढ़ाता है जिसकी वजह से आपका वजन भी बढ़ता है।

खास खबर...

जिपं क्षेत्र क्रमांक 2 लिटिया से शीला टाकेश सिन्हा का धुआंधार जनसंपर्क

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 2 लिटिया से शीला टाकेश सिन्हा ने अपना धुआंधार जनसंपर्क जारी रखा है। जनसंपर्क के दौरान उन्हें भारी जन समर्थन मिल रहा है।

उल्लेखनीय की श्रीमति शीला टाकेश सिन्हा ने राजनंदगांव जनपद पंचायत सदस्य व सरपंच हते हुए क्षेत्र में अनेक अनेक और करोड़ों के विकास निर्माण कार्य करवाए हैं। जिसका लाभ उन्हें जीत के रूप में निश्चित मिल रहा है और यह भी संभावना जताई जा रही है। कांकेतरा, मोहबा, सिंगपुर, लिटिया, सुकुलदैहान खपरी, धनगांव, बरगा एवं डिलापहरी में समस्त मतदातागण क्षेत्र क्र. 02 में उन्होंने जनसंपर्क का कर लिया है। बाकी गांव में उनका आगामी दिनों में जारी रहेगा। उनके समर्थक बड़ी संख्या में जुटते जा रहे हैं। अपने चुनावी प्रचार प्रसार के दौरान श्रीमती सिन्हा बिजली पानी सड़क और स्वास्थ्य सुविधा के क्षेत्र में अमुक अमुक विकास कार्य कराए जा चुके हैं। तथा भविष्य की योजनाओं के बारे में भी बता रही है। जिससे लोग जमकर आकर्षित हो रहे हैं। इस दौरान मुख्य रूप से बुधराम देवांगन,मोहन देवांगन,प्रकाश सिन्हा, मनहरण यादव,कामता साहू,चंदू सिन्हा, रूमलाल साहू, ननकू देवांगन,संतोष साहू,दीपक देवांगन,देवनारायण साहू,नीलकंठ यादव,रूपेंद्र साहू,महेंद्र साहू ,मनीष सिन्हा,संजय कुमार टंडन, गोपी सिन्हा सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

गांव की तस्वीर बदलने का संकल्प, नंदरानी नारायण साहू ग्राम पंचायत जोरातराई (ब) की नई उम्मीद

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

देश की अंतिम इकाई ग्राम पंचायत में पंचायत चुनाव हो रहे हैं, जिसमें गांव के भविष्य की रूपरेखा निर्वाचित जनप्रतिनिधियों द्वारा तय की जाएगी। आज हम बात करेंगे राजनांदगांव जिले के ग्राम पंचायत जोरातराई (ब) की, जहां सेवा और समर्पण की मिसाल कायम करने वाली नंदरानी नारायण साहू इस बार चुनाव चिन्ह चश्मा के साथ सरपंच पद की प्रत्याशी हैं। पिछले पांच साल के कार्यकाल में निर्विरोध निर्वाचित होने के बाद पंच के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने गांव के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए, जिससे जनता का उन पर विश्वास और भी मजबूत हुआ है।गौरतलब है कि गांव के बुजुर्गों से लेकर युवा वर्ग तक, सभी नंदरानी नारायण साहू के नेतृत्व से प्रभावित हैं। ग्रामीणों का मानना है कि उन्होंने जो काम पंच के रूप में किए, वे सरपंच बनने के बाद और भी बड़े स्तर पर होंगे। उनका सरल, सौम्य और निष्ठावान व्यवहार लोगों के दिलों में जगह बना चुका है। इस बार चुनाव में चश्मा चिन्ह के साथ उतरकर नंदरानी नारायण साहू एक नए दृष्टिकोण के साथ गांव की तस्वीर बदलने का संकल्प लेकर आई हैं। उनका कहना है कि चश्मा केवल देखने का साधन नहीं, बल्कि दूरदृष्टि और स्पष्ट सोच का प्रतीक है। हमारा लक्ष्य गांव को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाना है, जहां हर परिवार को बुनियादी सुविधाएं मिलें और हर व्यक्ति को आगे बढ़ने का अवसर मिले।

मल्लखंब खेल में कांस्य पदक हासिल कर बढ़ाया राज्य का गौरव

श्रमबिन्दु / नारायणपुर

उत्तराखंड में आयोजित 38वीं नेशनल गेम्स में छत्तीसगढ़ की बालिका खिलाड़ियों ने मल्लखंब खेल में टीम चौंपियनशिप में कांस्य पदक हासिल कर राज्य का मान बढ़ाया है। यह आयोजन भारतीय ओलंपिक संघ, स्पोर्ट्स मिनिस्ट्री ऑफइंडिया, भारत सरकार द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें पूरे भारत के उच्च स्तर के खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं। मल्लखंब खेल का आयोजन उधमसिंहनगर जिले के खटीमा क्षेत्र वन चेतना स्टेडियम में संपन्न हुआ। छत्तीसगढ़ की बालिका खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से कांस्य पदक हासिल किया और राज्य का नाम रोशन किया। यह उपलब्धि न केवल छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि राज्य की महिला खिलाड़ियों में कितनी प्रतिभा और संघर्ष क्षमता है। छत्तीसगढ़ की विजेता टीम में शामिल खिलाड़ी नारायणपुर से संताय पोटाई, ओरछा से सरिता पोयाम, कुंदला से दुर्गेश्वरी कुमेटी, रेमावंड से अनिता गोटा, मातला से मोनिका पोटाई और जांजगीर चांपा से शिक्षा दिनकर ने भारतीय ओलंपिक संघ, स्पोर्ट्स मिनिस्ट्री ऑफ इंडिया ने कांस्य पदक हासिल किया। टीम के प्रशिक्षक मनोज प्रसाद, प्रेमचंद शुक्ला, एवं प्रबंधक शांति साहू उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, सांसद रायपुर जिला एवं छत्तीसगढ़ ओलिंपिक एसोसिएशन के उपाध्यक्ष बृजमोहन अग्रवाल, उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ ओलिंपिक एसोसिएशन विजय बघेल, कैबिनेट मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन एवं उपाध्यक्ष केदार कश्यप, महासचिव डॉ. विक्रम सिंह सिसोदिया, छत्तीसगढ़ मल्लखम्ब एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रेमचंद शुक्ला एवं महासचिव डॉ. राजकुमार शर्मा तथा नारायणपुर जिला कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं, पुलिस अधीक्षक प्रभात सिंह, प्रभारी खेल अधिकारी डॉ. सुमीत कुमार गर्ग, आरआई मोसिन खान ने पदक विजेता खिलाड़ियों व कोच को अपनी शुभकामनाये प्रदान करते हुए हार्दिक बधाई दी।

स्वास्थ्य विभाग की बैठक : आयुक्त ने निधारित समय तक सफाई कर व्यवस्था दुरूस्त करने के दिये निर्देश

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा द्वारा स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के तहत सफाई दरोगा एवं वार्ड प्रभारियों की बैठक ली। बैठक में स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 में उच्च स्थान प्राप्त करने सफाई व्यवस्था में सुधार के साथ साथ प्लास्टिक मुक्त शहर के लिये कार्य करने एवं प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने नागरिकों एवं व्यापारियों को समझाईस देने के निर्देश दिये।

आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने बैठक में वार्डवार सफाई कर्मचारियों की जानकारी लेकर कहा कि सभी सफाई दरोगा एवं वार्ड प्रभारी अपने अपने प्रभारित वार्ड में सफाई व्यवस्था का विशेष ध्यान दे, प्रतिदिन निर्धारित समय में सफाई कार्य कराये तथा सडकों व गलियों की सफाई कर कचरा उठाने एवं नाली निकालने के बाद तत्काल कचरा उठाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि अपने अपने प्रभारित वार्ड में प्रतिदिन निरीक्षण करे, लंबे समय से अनुपस्थित कर्मचारी का वेतन काटने उच्च अधिकारियों को सूचित करे। समय सीमा के पूर्व कार्य बंद करने वाले सफाई मित्रों को पूरे दिन का अनुपस्थित करे। उन्होंने कहा कि वार्डो में प्लानिंग कर कार्य करावे, जैसे कुछ क्षेत्र में रोज सफाई करना है, वहा रोज करावे एवं कुछ क्षेत्र में गेप कर सफाई की आवश्यकता है वहा आवश्यकता अनुसार सफाई करावे।

आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने कहा कि प्लास्टिक मुक्ति के लिये कमर कसकर कार्य करना है। लोगों को प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की समझाईस देना है। प्रत्येक दुकानदारों को डस्टबिन का उपयोग करने, अपने दुकान के आस पास साफ सफाई रखने, कचरा निर्धारित वाहन में डालने की समझाईस देवे। मांगलिक भवन के संचालकों से सम्पर्क कर प्लास्टिक के डिस्पोजल प्रतिबंधित करने समझाईस देवे, गिला व सुखा कचरा अलग अगल डिब्बे में रख कचरा गाडी में देने, झिल्ली के पार्टी पापर उडाने प्रतिबंध लगावे, संबंधित को समझावे कि अपालन पर निगम द्वारा कार्यवाही की जावेगी। उन्होंने सभी स्वच्छता निरीक्षकों से कहा कि आप लोग भी निर्धारित समय तक सफाई कार्य का निरीक्षण करे, प्रतिदिन हाजरी रजिस्टर जॉच करे। इसके अलावा आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 में उच्च स्थान प्राप्त करने सभी को मिलकर कार्य करना है। उन्होंने साफसफाई के संबंध में लोगों को समझाईस देने एवं डोर टू डोर कचरा संग्रहण करने वाले गाडी में ही कचरा डालने की भी लोगों को समझाईस देवे। आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने कहा कि अपने अपने वार्ड के गली मोहल्लो के अलावा सार्वजनिक व खुली जगह की भी सफाई करे, खुली जगह में कचरा डालते पाये जाने पर संबंधित के विरूद्ध कार्यवाही करे। उन्होंने कहा कि मुक्कड को कम से कम करना है, इसके लिये कचरा जमा न करे, अनावश्यक कचरा डालने वालो पर भी कार्यवाही करे।

फ्री- बीज योजना के खिलाफ सख्त हुए सुप्रीम कोर्ट-रोशनी सिन्हा

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

पूर्व शहर महिला कांग्रेस के अध्यक्ष व प्रदेश सचिव श्रीमती रोशनी सिन्हा ने मुफ़्त योजना के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के सख्त रवैए को सही ठहराते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में भी महतारी वंदन योजना के तहत जो पैसा दिया जा रहा है वह भी उचित नहीं है ,सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों के द्वारा फ्री- बीज के तहत् चलाई जा रही योजना को गलत ठहराते हुए सख्त टिप्पणी की है शहरी गरीबी उन्मूलन विषय पर सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल और वेंकट मणि ने पीठ को बताया कि केंद्र सरकार शहरी गरीबी उन्मूलन मिशन को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में केंद्र से यह वेरीफाई करने को कहा है कि शहरी गरीबी उन्मूलन मिशन प्रभावी होगा या नही, मगर वोट की राजनीति के चलते राज्यों के सभी दलों ने अपने स्वार्थ पूर्ति के लिए मुक्त की योजनाएं चलाने की घोषणा कर देते है जिसका भविष्य में दुष्परिणाम देखने को मिल सकता है ,यह पहली बार नहीं है कि सुप्रीम कोर्ट ने फ्री- बीज को लेकर शक्ति दिखाई है इस प्रकार की योजनाएं बंद होनी चाहिए क्योंकि इस प्रकार की योजनाएं से लोग निकम्मे होते जा रहे है मैं मुख्यमंत्री विष्णु देव शाय सरकार से मांग करती हूं कि वास्तविक और जरूरतमंद लोगों को योजना का लाभ मिले।

भाजपा प्रत्याशी विक्रांत और ललित के पक्ष में भारत वर्मा का धुआंधार प्रचार

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

प्रदेश भाजपा महामंत्री भारत वर्मा ने जिला पंचायत खैरागढ़ गंडई के क्षेत्र क्रमांक 5 उदयपुर के भाजपा प्रत्याशी ललित लोढ़ा एवं क्षेत्र क्रमांक 4 भूरभुसी के भाजपा प्रत्याशी विक्रांत सिंह के पक्ष में प्रचार करते हुए अच्छा माहौल बना चुके हैं। अपनी पार्टी की उम्मीदवारों और लावस्कर के साथ भारत वर्मा जहां भी जिस गांव में भी जा रहे हैं उन्हें ग्रामीणों का भारी जन समर्थन में मिल रहा है।

श्री वर्मा लोगों को समझा रहे हैं। कि दो से भले तीन की तर्ज पर डबल इंजन के बाद ट्रिपल इंजन लग जाने से और तेजी से विकास होगा। उन्होंने कहा कि पिछले 5 सालों में राज्य में कांग्रेस शासन के दौरान विकास काफी पीछड़ गया था। जिसे अब तेजी से पूरा करना है। इसके लिए ट्रिपल इंजन की सरकार जरूरी है। जिला पंचायत में भी भाजपा का बहुमत आने से ट्रिपल इंजन की सरकार बन जाएगी और क्षेत्र विकास में गति लाई जा सकेगी। लोग इस पर हामी भर रहे हैं और विश्वास दिल रहे हैं कि भाजपा को ही चुनकर लेंयेगे।

शहर से लगी वीआईपी स्कूल में बच्चे पी रहे डिजिटल हुक्का !

अधिकारियों की टीम ने 3 जगह मारा छापा, राजनीतिक दबाव में कार्यवाही को दबाया गया

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

शहर सहित जिले भर में डिजिटल हुक्के का कारोबार बढ़ गया है । लोग ऑनलाइन डिजिटल हुक्का मंगाकर इसका सेवन कर रहे हैं। वहीं शहर से लगी एक वीआईपी स्कूल में कुछ बच्चे डिजिटल हुक्का पीते पकड़े गए। जिस पर स्कूल प्रबंधन ने उन्हें समझाइश देकर छोड़ तो दिया। लेकिन जो इस कारोबार में लिप्त थे, उनके खिलाफगोपनीय शिकायत की गई। जिस पर अधिकारियों की टीम बनाकर तीन अलग-अलग जगह पर 10 फरवरी की शाम छापा मारा गया।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शहर से लगी एक वीआईपी स्कूल में कुछ बच्चे डिजिटल हुक्का का उपयोग कर रहे थे । जिसकी शिकायत लगातार प्रबंधक को मिल रही थी। प्रबंधन ने एक्शन लेते हुए बच्चों को समझाइए दी एवं उनसे पूछताछ की, कि वह यह हुक्का कहां से ला रहे हैं, तो बच्चों ने बताया कि यह हुक्का उन्हें ऑनलाइन और शहर के कुछ व्यापारियों द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है। बताया जा रहा है कि प्रबंधन द्वारा इसकी गोपनीय शिकायत अधिकारियों से की गई। अधिकारियों का एक दल 10 फरवरी की शाम तीन अलग-अलग जगह पर दबिश देकर हुक्के में इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं को पकड़ा है।

राजनीतिक दबाव में कार्यवाही को दबाया गया

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कार्यवाही के बाद लगातार अधिकारियों पर राजनीतिक और व्यापारिक दबाव आना शुरू हो गया था। जिसके चलते अवैध हुक्का बचने एवं इसमें उपयोग होने वाले सामानों की जब्ती तो की गई। लेकिन आज पर्यंत तक पुलिस ने किसी भी प्रकार की कोई भी कार्रवाई का खुलासा नहीं किया है।

अधिकारियों की कार्य प्रणाली पर भी संदेह

विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उक्त कार्रवाई में एक बड़े अधिकारी की भूमिका भी संदेह के दायरे में आ रही है। बताया जा रहा है कि उक्त अधिकारी द्वारा इसमें नोटामाईसीन लेकर मामले को रफा दफा कर दिया है। क्योंकि 10 फरवरी की यह घटना को पुलिस ने आज तक ना तो अपने डीएसआर ग्रुप में डाला है और ना ही किसी प्रकार की कोई भी जानकारी सार्वजनिक की है।

राज्य निर्वाचन आयोग की चुनाव प्रक्रिया मे पारदर्शिता नही

राज्य निर्वाचन आयोग की नगरीय निकाय चुनाव प्रक्रिया भ्रमित

मतदाता को अपने दिए गए वोट की जानकारी ना हो पाना दुर्भाग्यपूर्ण अशोक फडणवीस

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक फ्डणवीस ने निर्वाचन आयोग की चुनावी प्रक्रिया को पारदर्शितारहित बताया। उन्होंने प्रदेश में स्थानीय नगरीय निकाय के चुनाव जो सम्पन्न हुए इसमें निर्वाचन आयोग द्वारा जो प्रक्रिया अपनायी उससे मतदाताओं के मनोमास्तिष्क मे अविश्वाश व भ्र्म को जन्मदिन दिया है। आयोग की इस चुनावी प्रक्रिया मे मतदाताओं को वोट डालने के बाद उन्हें अपने मत की जानकारी नहीं मिली कि वे अपने मत का उपयोग जिस प्रत्याशी के लिए किये क्या उस प्रत्याशी को ही दिया मत मिला या नही?राज्य सरकार और प्रदेश के निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं को वोट डालने का अधिकार तो दिया किंतु उन्हें अपने डाले गए मत की जानकारी से वंचित रखा । मतदाता केवल मशीन में चिन्हित बटन को दबाते रहे है यह समझकर हमने अपने मन पसंद प्रत्याशी को मत दे रहे है किंतु उन्हें यह नहीं मालूम कि जो बटन दबा रहे है अथवा जिसे मत दे रहे है वह वास्तव में उन्हें प्राप्त रहे है या नहीं ।

बैलेट पेपर से मतदान होता या वी वी पैड पर मत दिखाई देता तो उन्हें अपने दिए गए मत पर विश्वास होता इस समय सम्पन्न निकाय चुनाव में ऐसा कुछ नहीं हुआ मतदान केंद्र में मतदाता गए निर्वाचन आयोग ने मशीन पर उम्मीदवार की फोटो और चिन्ह चिपका दिए बटन दबाव और घर जाए।मतदाता ने जिसे मत दिया उसे मालूम ही नहीं चला की उस प्रत्याशी को मत मिला या नही मतदान के बाद की वो विवीपेड जिसमे तस्वीर देखकर मतदाता अपने दिए मत को लेकर संतुष्ट होता था उसे गायब ही कर दिया गया ।

राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं के मताधिकार के वास्तविक सबूत के अधिकार को छीना है जो न्याय संगत नहीं है। निर्वाचन आयोग ने मतदाता को अपने दिए वोट की जानकारी से वंचित किया है । मतदाता को कैसे विश्वास होगा कि उसने किसे वोट किया मशीन पर चिपकाए गए नंबर और बटन वही है। पूरा चुनाव प्रक्रिया ही गलत है।।

पीएनबी एमएसएमई एक्सपो 2025

श्रमबिन्दु / नई दिल्ली

पंजाब नेशनल बैंक, मण्डल कार्यालय उत्तरी दिल्ली ने नरेला और वज़ीरपुर के औद्योगिक क्षेत्र में पी. एन. बी. एमएसएमई एक्सपो-2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में एस.के. राणा, मुख्य महाप्रबंधक प्रधान कार्यालय, पी.के. गुप्ता, उप महाप्रबंधक अंचल कार्यालय-दिल्ली, मुकुल वर्मा, सहायक महाप्रबन्धक, प्रधान कार्यालय, निकेश कुमार, सहायक महाप्रबंधक, मनोज कुमार, जिला अग्रणी प्रबंधक, उत्तरी दिल्ली, श्रीमती नीलम चौधरी, मुख्य प्रबंधक, मण्डल कार्यालय, उत्तरी दिल्ली, घनश्याम गोयल, चेयरमैन जीपीए ग्रुप एवं अन्य उद्योगपतियों ने अपने सहभागिता प्रदान की। नरेला और वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र के 100 से अधिक उद्यमियों की जबरदस्त भागीदारी के साथ, इस कार्यक्रम ने एमएसएमई को समर्थन देने के लिए बैंक की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। मण्डल प्रमुख उत्तरी दिल्ली, श्री गौरांग चरण बेहेरा ने बैंक की विभिन्न एमएसएमई योजनाओं पर एक व्यावहारिक प्रस्तुति दी, जिसे उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली।

इस कार्यक्रम में विभिन्न शाखाओं के शाखा प्रमुखों के साथ-साथ उनके सम्मानित ग्राहक भी शामिल हुए। मौके पर कई सैद्धांतिक मंजूरी भी दी गयी.

कलेक्टर की अध्यक्षता में अबूझमाड़ मैराथन के आयोजन संबंधी बैठक आयोजित

02 मार्च को होगा अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन को आयोजन

श्रमबिन्दु / नारायणपुर

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं की अध्यक्षता में जिला कार्यालय के सभाकक्ष में अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन-2025 के आयोजन संबंधी बैठक आयोजित किया गया। कलेक्टर ममगाईं ने जिले में मैराथन के सफल आयोजन हेतु की जाने वाली तैयारियों की जानकारी ली। कलेक्टर ने अबूझमाड़ पीस हाफमैराथन 2025 के प्रचार-प्रसार हेतु दीवार पेंटिंग प्रतियोगिता सहित कार्यक्रम स्थल पर मंच, पंडाल एवं साज-सज्जा, बैठक व्यवस्था, बेरिकेटिंग, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात, पार्किंग, पेयजल, साफ-सफाई, प्रशस्ति पत्र, मेडल और सड़क मरम्मत संबंधी कार्यों को समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बाहर से आने वाले प्रतिभागियों के पंजीयन, भोजन, रूकने की व्यवस्था आदि की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बाहर से आने वाले प्रतिभागियों को सभी सुविधा समय पर उपलब्ध कराया जाए। इसके साथ ही विजयी एवं प्रतिभागियों को मिलने वाले पुरस्कार आदि के बारे में विस्तृत चर्चा की गई।

आयोजन स्थल परेड ग्राउंड नारायणपुर से 2 मार्च को प्रात: 05.30 बजे से किया जाएगा। समापन समारोह बासिंग में किया जाएगा। मैराथन दौड़ का मार्ग: नारायणपुर से बासिंग तक सड़क के दोनों किनारे सजावट किए जाने हेतु लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता को निर्देशित किया गया है। मैराथन की दूरी हॉफ मैराथन 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर को आयोजन किया जाएगा। ओपन हॉफ मैराथन महिला एवं पुरुष 21 किलोमीटर, ओपन जिला हॉफ मैराथन महिला एवं पुरूष 21 किलोमीटर, दौड़ ओपन महिला एवं पुरुष 10 किलोमीटर और ओपन दौड़ महिला 5 किलोमीटर का आयोजन किया जाएगा।

पुरस्कार की कुल राशि 15 लाख 84 हजार रुपये विजेता प्रतिभागियों को दिया जाएगा।

ओपन हॉफमैराथन महिला एवं पुरुष 21 किलोमीटर - प्रथम पुरस्कार 1,50,000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 1,00,000 रुपये, तृतीय पुरस्कार 75,000 रुपये, चतुर्थ पुरस्कार 50,000 रुपये, पंचम् पुरस्कार 50,000 रुपये एवं छठवाँ से दसवाँ पुरस्कार तक 10-10 हजार रुपये की मान से पुरूष वर्ग की राशि 4,75,000 रुपये एवं महिला वर्ग हेतु 4,75,000 रुपये की राशि प्रदाय किए जायेंगे।

ओपन जिला हॉफ मैराथन महिला एवं पुरुष 21 किलोमीटर - प्रथम पुरस्कार 1,00,000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 75,000 रुपये, तृतीय पुरस्कार 50,000 रुपये एवं चतुर्थ पुरस्कार 10,000 रुपये, पंचम् पुरस्कार 10,000 रुपये और छठवाँ से दसवों पुरस्कार तक 05-05 हजार रुपये की राशि पुरूष वर्ग को 2,70,000 रुपये एवं महिला वर्ग को 2,70,000 रुपये की राशि प्रदाय किया जाएगा।

दौड़ ओपन महिला एवं पुरुष 10 किलोमीटर - प्रथम पुरस्कार 15,000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 10,000 रुपये, तृतीय पुरस्कार 8,000 रुपये, चतुर्थ पुरस्कार 1,000 रुपये एवं पंचम् पुरस्कार 1,000 रुपये की मान से पुरूष वर्ग को 35,000 रुपये एवं महिला वर्ग 35,000 रुपये दिए जायेंगे।

दौड़ ओपन महिला 05 किलोमीटर - प्रथम पुरस्कार 10,000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 7,000 रुपये, तृतीय पुरस्कार 5,000 रुपये, चतुर्थ पुरस्कार 1,000 रुपये एवं पंचम् पुरस्कार 1,000 रुपये, की मान से महिला वर्ग को कुल 24,000 रुपये पुरस्कार के रूप में प्रदाय किया जाएगा।

बैठक में जिला पंचायत के सीईओ आकांक्षा शिक्षा खलखो, अतरिक्त पुलिस अधीक्षक रॉबिनसन गुरिया, एसडीएम गौतमचंद पाटिल, डिप्टी कलेक्टर सुमीत गर्ग, एसी ट्राईवल राजेन्द्र सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार निषाद, रक्षित निरीक्षक मोहसिन खान, नगर पालिका सीएमओ आशीष कोर्रामएवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

[खास खबर]

ग्राम डंगनिया में स्वच्छाग्रही ने घर-घर जाकर चलाया मतदाता जागरूकता अभियान

श्रमबिन्दु / दुर्ग

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार जिले में जाबो कार्यक्रम अंतर्गत मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी अनुक्रम में त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2025 अंतर्गत ग्राम पंचायत डगनिया जनपद पंचायत धमधा में स्वच्छता ग्राहियों द्वारा मतदाताओं को जागरूक करने घर-घर जाकर शत-प्रतिशत मतदान का संदेश दिया गया। छत्तीसगढ़ी परंपरा के अनुरूप फूलों की रंगोली बनाकर, कलश रखकर सफल मतदान की कामना की गई। इसके अलावा महिलाओं द्वारा रैली निकालकर प्रेरणात्मक नारे लगाते हुए मतदान हेतु प्रेरित किया गया। मतदाता जागरूकता अभियान में श्री रिपुसूदन उमरे स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण जनपद पंचायत धमधा, सचिव डॉ. शंकर लाल पटेल, सुश्री सावित्री यादव पीआरपी जनपद पंचायत धमधा, जसोदा निषाद एफएलसीआरपी, तुलसी यादव, भावना चक्रधारी, सरस्वती यादव, अन्नपूर्णा, भुनेश्वरी साहू, रूपा यादव, किरण यादव, मंजू यादव, दामिनी साहू, जानकी सेन, गीता, सीमा बंजारे, कौशल्या श्रीवास, कुमारी चक्रधारी, ज्योति यादव, रजनी मानिकपुरी, पूजा साहू, सरिता साहू सहित ग्राम पंचायत डंगानिया की 400 महिलाओं के साथ आसपास की सभी सक्रिय महिलाएं, कृषि सखी, पशु सखी आदि सम्मिलित हुईं।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने नगपुरा में भाजपा अधिकृत प्रत्यासियों के पक्ष में मांगा आशीर्वाद

श्रमबिन्दु / दुर्ग

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा अंतर्गत ग्राम नगपुरा में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव अभियान 2025 के तहत दुर्ग ग्रामीण विधायक व राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर ने ग्राम नगपुरा में जन सम्पर्क कर जन आशीर्वाद मांगा और सभा को संबोधित किया ।जन सम्पर्क के दौरान। घर घर पहुंचकर पंपलेट वितरण किया और भाजपा अधिकृत प्रत्याशी,जिला पंचायत सदस्य क्षेत्र क्रमांक 06 श्रीमति बीना पवन देशमुख महतेल, जनपद पंचायत सदस्य क्षेत्र क्रमांक 01से श्रीमति कुलेश्वरी सुखदेव देवांगन सरपंच पद प्रत्याशी सतरूपा निषाद एवं सभी वार्ड पंच प्रत्याशियों हेतु वोट की अपील की ।जन सम्पर्क के दौरान जगह जगह प्रत्याशियों का आरती पुष्पहार से स्वागत अभिनंदन किया गया। निषाद भवन से होकर नगर के विभिन्न चौक चौराहों से होता हुआ रावण भाट्ठा पर समाप्त किया गया जनसैलाब के उत्साह एवं समर्थन ने यह स्पष्ट कर दिया कि जनता विकास और सुशासन के संकल्प के साथ भाजपा अधिकृत प्रत्याशी को अपार बहुमत से विजयी बनाएगी। क्षेत्र सर्वांगीण विकास हेतु हम सभी कटिबद्ध हैं। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनते ही हमने मात्र 13 महीने में इतने काम किये हैं, जिससे 3 करोड़ छत्तीसगढ़ियों का विश्वास सरकार के साथ है ।

नि:शुल्क स्त्री रोग स्वास्थ्य शिविर

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र अपने निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) गतिविधि के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए, बाल्को मेडिकल सेंटर, नवा रायपुर के सहयोग से 17 फरवरी 2025 को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक मंगल भवन, स्मृति नगर, भिलाई में एक दिवसीय नि:शुल्क स्त्री रोग स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन करेगा।

मतगणना आज: कलेक्टर ने लिया जायजा

श्रमबिन्दु / दुर्ग

नगरीय निकाय निर्वाचन-2025 अंतर्गत मतदान पश्चात् राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार मतगणना 15 फरवरी 2025 को संपन्न होगी। जिले में 07 नगरीय निकायों में आम निर्वाचन और 02 नगरीय निकायों में उप निर्वाचन संपन्न हुआ है। मतगणना स्थल भारती विश्वविद्यालय पुलगांव में नगर निगम दुर्ग, भिलाई एवं रिसाली की मतगणना होगी।

इसी प्रकार नगर पालिका कुम्हारी, अहिवारा, अमलेश्वर और नगर पंचायत पाटन, उतई, धमधा मुख्यालय में निर्धारित मतगणना स्थल पर मतगणना संपन्न होगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने आज पुलगांव (दुर्ग) स्थित भारती विश्वविद्यालय परिसर मतगणना स्थल में तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने मतगणना हेतु नियुक्त अधिकारी/कर्मचारियों से रू-ब-रू चर्चा करते हुए कहा कि प्रशिक्षण के दौरान बताये जानकारी को ध्यान में रखते हुए वे कुशलतापूर्वक मतगणना का कार्य संपन्न करना सुनिश्चित करें। उक्त कार्य में मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए रिटर्निंग अधिकारी और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद रहेंगे। उन्होंने सभी गणकों से सावधानी पूर्वक गणना कार्य करने के निर्देश दिये। कलेक्टर चौधरी ने नगर निगम भिलाई एवं रिसाली के वार्ड उप निर्वाचन के मतगणना कक्षों का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर रिटर्निंग अधिकारीअरविन्द एक्का, सहायक कलेक्टर एम. भार्गव, नगर निगम दुर्ग के आयुक्त सुमित अग्रवाल, उप जिला निर्वाचन अधिकारी अपर कलेक्टर विजेन्द्र सिंह, एसडीएम हरवंश सिंह मिरी एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि नगर निगम दुर्ग के मतगणना हेतु वार्डवार 60 टेबल लगाये गये हैं। प्रत्येक टेबल में उस वार्ड में स्थापित सभी मतदान केन्द्रों की गणना होगी। मतगणना सुबह 9.00 बजे प्रारंभ होगी। मतगणना कार्य में नियोजित किये गये गणना पर्यवेक्षक/गणना सहायक/ रनर/रनर के प्रभारी अधिकारी/आर.ओ./ए.आर.ओ. के सहयोग में संलग्न अधिकारी/कर्मचारियों को प्रात: 8.00 बजे तक निर्धारित की गई टेबल में उपस्थिति सुनिश्चित करने कहा गया है।

मतदान कर्मियों को चिकित्सा सुविधा हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त

दुर्ग। त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2025 के अंर्तगत पंचायत निर्वाचन क्षेत्र में सामग्री वितरण/वापसी स्थल पर मतदान दल के कर्मियों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, दुर्ग डॉ. मनोज दानी को नोडल अधिकारी तथा सिविल सर्जन एवं सह अस्पताल अधीक्षक, दुर्ग हेमन्त साहू को सहायक नियुक्त किया गया है। जिसके अनुक्रम में पंचायत निर्वाचन क्षेत्र में समय-अनुसूची (कार्यक्रम) अनुसार मतदान कर्मियों को चिकित्सा सुविधा नियत दिवस में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेगें। उल्लेखनीय है कि जनपद पंचायत दुर्ग के लिए शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज दुर्ग में 16 फरवरी 2025 को सुबह 6 बजे मतदान दल को मतदान सामग्री का वितरण किया जाएगा और मतदान पश्चात् 17 फरवरी 2025 को शाम 6 बजे मतदान सामग्री जमा की जाएगी। इसी प्रकार जनपद पंचायत पाटन के लिए शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला पाटन में 19 फरवरी 2025 को सुबह 6 बजे मतदान दल को मतदान सामग्री का वितरण किया जाएगा और मतदान पश्चात् 20 फरवरी 2025 को शाम 6 बजे मतदान सामग्री जमा की जाएगी। जनपद पंचायत धमधा के लिए शासकीय महाविद्यालय सिरनाभाठा धमधा में 22 फरवरी 2025 को सुबह 6 बजे मतदान दल को मतदान सामग्री का वितरण किया जाएगा और मतदान पश्चात् 23 फरवरी 2025 को शाम 6 बजे मतदान सामग्री जमा की जाएगी।

अबुझमाड़ मैराथन 2025-वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

श्रमबिन्दु / भिलाई

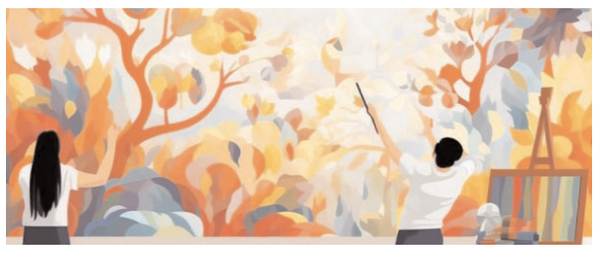

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने सुदूर वनांचल क्षेत्र के ग्रामीणों के सपनों को आकार देते हुए के अपने सीएसआर परियोजना के तहत, सकारात्मक बदलाव लाने की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ली है। जिसके अंतर्गत, अबुझमाड़ क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रमों में मुख्य प्रायोजक के रूप में कार्य कर रहा है। जिला और पुलिस प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में, नारायणपुर जिले के अबुझमाड़ क्षेत्र में 2 मार्च 2025 को बालक हाई स्कूल ग्राउंड, नारायणपुर से अबुझमाड़ हाफ मैराथन का आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष आयोजन का उद्देश्य क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता को उजागर करना और युवाओं को खेलों में भागीदारी के लिए प्रेरित करना है। इसी कड़ी में, 16 फरवरी 2025 को अबुझमाड़ मैराथन 2025 के तहत एक वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा। यह प्रतियोगिता हाई स्कूल ग्राउंड, नारायणपुर में सुबह 7:00 बजे शुरू होगी। इस प्रतियोगिता का प्रमुख उद्देश्य अबुझमाड़ की समृद्ध संस्कृति, लोककला और प्राकृतिक सौंदर्य को कलात्मक रूप में प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना है। इसी के साथ नारायणपुर कमे मावली मेला का भी आयोजन 19 फरवरी से 23 फरवरी 2025 तक किया जा रहा है। बीएसपी का सीएसआर विभाग हमेशा सामुदायिक विकास, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और युवाओं में खेलों की भागीदारी को बढ़ावा देने वाले आयोजनों का समर्थन करता रहा है। बीएसपी का यह कदम भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा क्षेत्रीय विकास और उन्नति के लिए किए जा रहे प्रयासों के प्रति समर्पण को दर्शाता है। बीएसपी सीएसआर विभाग ने इस आयोजन के के लिए सहायता प्रदान की है।

भिलाई इस्पात संयंत्र खदान क्षेत्र खासकर वनांचल क्षेत्र में इस प्रकार के कार्यक्रमों में युवाओं को कला और खेल में अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए प्रेरित करता है। इसके अतिरिक्त, सीएसआर गतिविधी के अंतर्गत गिफ्ट मिल्क योजना, ग्रामीणों को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण, स्वास्थ्य सेवाएं, टॉयलेट्स, अच्छा स्वास्थ्य, अच्छी शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास, शुद्ध पेयजल, सोलर लाइट आदि जैसी मूलभूत सुविधाओं पर कार्य किया गया है, जिससे ग्रामीण युवा अपने परिवार का भरण पोषण करने में सक्षम बन सकें और उन्नति कर सकें।

चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को आयोजकों द्वारा रंग और अन्य सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। इस प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतिभागी अपनी कला, भावनाओं और विचारों को स्वतंत्र रूप से व्यक्त कर सकेंगे। इस मौके पर नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार (भा.पु.से.) और एडिशनल एसपी रोबिनसन गुड़िया (भा.पु.से.) ने पेंटिंग की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि यह एक प्रभावी माध्यम है, जिसमें विभिन्न रंगों और तकनीकों के माध्यम से कलाकार अपनी भावनाओं और विचारों को व्यक्त कर सकते हैं। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागी अपनी कल्पना को पंख देते हुए प्राकृतिक सुंदर दृश्यों और अपनी भावनाओं को आकार दे सकते हैं।

भिलाई इस्पात कल्याण चिकित्सालय में भिलाई नगर निगम की महिला सफाई कर्मचारियों के लिए शैक्षणिक स्वास्थ्य शिविर

श्रमबिन्दु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग द्वारा भिलाई नगर निगम की महिला सफाई कर्मचारियों के लिए 'मिशन लक्ष्मी' के अंतर्गत 17 फरवरी 2025 को प्रात: 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक भिलाई इस्पात कल्याण चिकित्सालय में एक व्यापक शैक्षणिक स्वास्थ्य कार्यक्रम और नि:शुल्क स्त्री रोग निदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में चिकित्सा परामर्शदाताओं द्वारा भिलाई नगर निगम में सफाई कार्य में लगी महिला कर्मचारियों की जांच की जाएगी। इस अवसर पर सीएसआर स्वास्थ्य टीम के साथ बीएसपी-सीएसआर के अधिकारीगण भी मौजूद रहेंगे।

परामर्शदाताओं द्वारा एनीमिया और स्त्री रोग कैंसर पर शैक्षणिक सत्र और प्रश्नोत्तर और उसका समाधान सत्र भी आयोजित किया जाएगा। साथ ही इसमें ज्ञानवर्धक प्रश्नोत्तरी और अन्य गतिविधियाँ भी शामिल होंगी। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें विभाग और सीएसआर विभाग ने भिलाई नगर निगम की महिला कर्मियों से अपील की है कि वे अधिक संख्या में आएं और व्यापक शैक्षणिक स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाएं। इससे पहले भी भिलाई इस्पात संयंत्र ने मिशन लक्ष्मी योजना के तहत ग्रामीण महिलाओं, सफाईकर्मी, स्कूली बालिकाओं के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया है।

मिशन लक्ष्मी योजना, सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें विभाग और सीएसआर विभाग द्वारा महिला संविदा कर्मियों के लिए एक संयुक्त पहल है।

उल्लेखनीय है कि सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र अपनी महिला कर्मियों के कल्याण के उद्देश्य से समय-समय पर कई स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम और जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन करता है। 'मिशन लक्ष्मी' रक्त हीमोग्लोबिन स्तर परीक्षण और पैप स्मीयर जैसी नैदानिक सुविधाओं सहित व्यापक स्वास्थ्य सेवा प्रदान की जाएगी।

जिले में मतगणना दिवस पर शुष्क अवधि घोषित

श्रमबिन्दु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ शासन वाणिज्यिक कर (आबकारी) विभाग द्वारा नगर पालिका आम/उप निर्वाचन 2025 हेतु मतगणना 15 फरवरी 2025 को सुबह 9 बजे से मतगणना समाप्ति तक मदिरा दुकाने बंद रखे जाने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी ने छ.ग. आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 24 की उप-धारा (1) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिले के मतगणना स्थल क्षेत्र से संलग्न नगर पालिकाओं के वार्डों में स्थित समस्त देशी मदिरा एवं विदेशी की फुटकर दुकानों, रेस्टॉरेंट-बार, होटल-बार, क्लब आदि जैसे-एफएल.-1 (घघ), एफएल.-1 (घघ-कम्पोजिट), सी.एस.-2 (घघ), सी.एस.2 (घघ कम्पोजिट), सी.एस.2 (ग-अहाता), सी.एस.2 (ग-कम्पोजिट अहाता), एफएल.-1 (ख-अहाता), एफएल.1 (ख-कम्पोजिट अहाता), एफएल.-3, 5, 5 (क) को बंद रखे जाने हेतु 'शुष्क अवधि' दिवस घोषित किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मतगणना स्थल भिलाई चरोदा के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला भिलाई-3 में एफएल.-1 (घघ), एफएल.-1 (घघ-कम्पोजिट), एवं एफएल.1 (ख-कम्पोजिट अहाता) प्रतिबंधित रहेगी।

बीएसपी मैनेजमेंट की नीतियों से कांट्रेक्टर में रोष, 17 को आमसभा में बनेगी रणनीति

श्रमबिन्दु / भिलाई

सेल स्टील प्लांट कांट्रेक्टर एसोसिएशन ने सेल-भिलाई स्टील प्लांट मैनेजमेंट के समक्ष विभिन्न मुद्दों पर ध्यानाकर्षण कराया है। एसोसिएशन मूल रूप से छोटे टेंडरों को समाप्त कर बड़े टेंडर में तब्दील करने, ईएसआईसी अस्पताल के माध्यम से जांच सुविधा उपलब्ध नहीं कराने और निविदा प्रणाली में पारदर्शिता के अभाव जैसे मुद्दों पर मुखर है। ऐसे तमाम मुद्दों को लेकर एसोसिएशन की आम सभा 17 फरवरी सोमवार को सुबह 11:30 बजे इंडियन कॉफी हाउस भिलाई निवास में रखी गई है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष के. ए. अब्दुल कादर ने बताया कि सार्वजनिक उपक्रम के सभी कांट्रेक्टर ऐसे तमाम मुद्दों को लेकर परेशान हैं। बीएसपी मैनेजमेंट इस तरफ ध्यान नहीं दे रहा है। इससे सभी कांट्रेक्टर का काम प्रभावित हो रहा है। उन्होंने बताया कि ईडी (वर्क्स) और मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (सेवाएं) विभाग से इन मुद्दों पर चर्चा के लिए एसोसिएशन ने समय मांगा है। उन्होंने वर्तमान के एक प्रमुख ज्वलंत मुद्दे का उल्लेख करते हुए बताया कि कार्यस्थल पर मजदूर की मौत होने की स्थिति में बगैर जांच के ठेकेदार को ही दोषी मान लिया जाता है और अंतिम संस्कार के लिए तत्काल 3 लाख व इसके बाद 10 लाख दिलवाया जाता है।

इस दौरान ठेकेदार के इस राशि के अलावा 2-3 लाख और खर्च हो जाते हैं। जबकि ऐसे मामले में निष्पक्ष जांच के उपरांत ठेकेदार को राशि देने कहना चाहिए क्योंकि मजदूर पहले से ही ईएसआई कवर्ड होता है, जिसके माध्यम से भी वैधानिक भुगतान का दायित्व बनता है। उन्होंने कहा कि लॉटरी प्रणाली के माध्यम से टेंडरों को खोलने में पारदर्शिता का अभाव है। छोटे टेंडरों को समाप्त कर उन्हें बड़े टेंडरों में परिवर्तित किया जा रहा है। मैनेजमेंट ईएसआईसी अस्पताल के माध्यम से मेडिकल जांच की अनुमति नहीं दे रहा है, इससे मजदूरों और कांट्रेक्टर को अनावश्यक खर्च वहन करना पड़ रहा है। रोटेशन के आधार पर यांत्रिक, विद्युत एवं सिविल के रेट कांट्रेक्ट का वितरण नहीं किया जा रहा है। ओएंडएम विभाग मे पंजीयन नवीनीकरण के लिए योग्यता के दायरे को लेकर अनावश्यक दबाव बनाया जाता है। सीआईएसएफ में एनडीसी मिलने में देरी की जा रही है, इससे भी काम प्रभावित हो रहा है। इसके साथ ही समूचे भिलाई स्टील प्लांट के सभी ठेका मजदूरों के लिए बायोमेट्रिक अटेंडेंस को भी अनिवार्य कर दिया गया है, जो कि व्यवहारिक नहीं है। सेल स्टील प्लांट कांट्रेक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष के. ए. अब्दुल कादर ने बताया कि 17 फरवरी सोमवार को सुबह 11:30 बजे इंडियन कॉफी हाउस भिलाई निवास में आम सभा में इन सभी मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

कांजी हाउस एवं संधारित सुलभ शौचालय का औचक निरीक्षण करने पहुंचे-आयुक्त

श्रमबिन्दु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के कोसा नगर भिलाई नगर रेल्वे स्टेशन के पास स्थित कांजी हाउस का निरीक्षण करने आयुक्त सुबह-सुबह पहुच गये। वहां पर जानवरो के खाने के लिए प्रदाय किये जा रहे चारा, पानी एवं व्यवस्था का निरीक्षण किये। वर्तमान में कांजी हाउस का संचालन एजेंसी द्वारा किया जा रहा है। जोन आयुक्त अजय सिंह राजपूत, उपअभियंता पुरूषोत्तम सिन्हा, संचालनकर्ता एजेंसी शोभूराम साहू को निर्देशित किये कि जानवरो के चारे, पानी का उचित प्रबंध हो। बिमार पड़ने पर शासकीय पशु चिकित्सक को बुलाकर ईलाज करवाया जाये। पशु चिकित्सक बीच-बीच में आकर ईलाज करते रहेगें। कांजी हाउस के चारो तरफ सीमेंट के दिवाल बनाई जा रही है, जिससे जानवर भाग न पावें। इससे फायदा होगा कि अतिरिक्त जमीन पर पानी डालने पर घास बड़े होगे, इससे जानवरों को चरने की भी सुविधा मिल जायेगी। जानवरो के पीने के लिए बीच-बीच में बड़े-बड़े कोटना बना दिया जाये, जिसमे पानी भरा हो, जानवर गर्मी में पानी पी सके। वहीं पर सीएण्ड वेस्ट से चेकर टाइल्स का भी निर्माण करने का कार्य किया जायेगा। ततपश्चात जोन क्रं. 01 नेहरू नगर में प्रमुख रूप से भिलाई नगर रेल्वे स्टेशन, आकाश गंगा सब्जी मंडी, सुपेला घड़ी चैंक, वेकेटेश्वर टाकिज के पीछे, नेहरू नगर चौक आदि का निरीक्षण किये। जिस शौचालय का संधारण का कार्य हो चुका है, उसको नागरिको के उपयोग के लिए खोल दिया जाये। बाकि को समय अवधि में पूर्ण किया जाये। आकाश गंगा सब्जी मण्डी में हजारो सब्जी विक्रेता, काम करने वाले वर्कर, ग्राहक, रिक्शा, ठेला वाले निस्तारी के लिए आते रहते है। यह ध्यान दिया जाये कि उनको किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके लिए स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली एवं निर्माणकर्ता एजेंसी को आदेशित किये। निरीक्षण के दौरान उपअभियंता चंदन निर्मल, जनसम्पर्क अधिकारी अजय शुक्ला, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना, जोन स्वच्छता निरीक्षक कमलेश द्विवेदी, पीआईयू सुभम पाटनी, अभिनव ठोकने आदि उपस्थित रहे।

वैज्ञानिक चेतना के प्रसार के लिए अभियान शुरू, गूगल मीट पर व्याख्यान आज से

श्रमबिन्दु / भिलाई

छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा की ओर से विज्ञान दिवस पखवाड़ा का आयोजन 14 से 28 फरवरी तक किया जा रहा है। जिसमें वैज्ञानिक चेतना से जुड़े विविध आयोजन होंगे। इस दौरान रोजाना राज्य स्तरीय ऑनलाइन व्याख्यान रखे गए हैं।

छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा के सचिव डॉ वाय के सोना ने बताया कि इसकी शुरुआत में 14 फरवरी को विज्ञान दिवस पखवाड़े की रूपरेखा और जिला इकाइयों द्वारा किए जा रहे कार्यक्रम पर गूगल मीट के साथ हुई। जिसमें श्रीमती निधि सिंह, संयुक्त सचिव, असिस्टेंट प्रोफेसर, के एन कालेज कोरबा, छत्तीसगढ़ मुख्य वक्ता थीं।

इसी कड़ी में 15 फरवरी शनिवार शाम 7.00 से 8.30 बजे तक 'जैव विविधता का धनी छत्तीसगढ़ राज्य' विषय पर प्रो. एम एल नायक, प्रसिद्ध टैक्सनॉमिस्ट, पूर्व महानिदेशक सीकॉस्ट, पूर्व अध्यक्ष छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा, रायपुर मुख्य वक्ता होंगे। इसके बाद 16 फरवरी रविवार शाम 7.00 से 8.30 बजे 'विज्ञान और आत्मनिर्भरता' विषय पर प्रो. दिनेश अब्रोल, दिल्ली साइंस फोरम, पूर्व प्रोफेसर जेएनयू दिल्ली का व्याख्यान होगा। वहीं 17 फरवरी सोमवार शाम 7.00 से 8.30 बजे 'जनविज्ञान आंदोलन का जन्म, विकास और उसके समक्ष खड़ी चुनौतियां' विषय पर प्रो. अरुणाभ मिश्रा , आल इंडिया पीपुल्स साइंस नेटवर्क, कोलकाता मुख्य वक्ता होंगे। इसके उपरांत भी 28 फरवरी तक गूगल मीट जारी रहेगी।

पखवाड़े के अन्य आयोजन के संबंध में डॉ. सोना ने बताया कि हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों के बच्चों में वैज्ञानिक चेतना जागरूकता हेतु विभिन्न कार्यक्रम होंगे। जिसमें कथित चमत्कारों के विरुद्ध वैज्ञानिक सोच को विकसित करने कार्यक्रम होगा। 'विज्ञान आओ करके देखें' के अंतर्गत स्थानीय संसाधनों द्वारा छोटे छोटे प्रयोगों के माध्यम से विभिन्न वैज्ञानिक अवधारणाओं को समझाया जाएगा। 'कबाड़ से जुगाड़' के अंतर्गत पुरानी टूटी फूटी चीजों से कुछ उपयोगी वस्तुओं का निर्माण भी करवाया जाएगा। इसी तरह अन्य आयोजन भी होंगे।

स्वामी / प्रकाशक / शिव श्रीवास्तव द्वारा विकास प्रकाशन 208 आकाशगंगा भिलाई से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-दिलीप श्रीवास्तव, जगदलपुर स्थानीय संपादक - अर्जुन झा * पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, प्रबंध संपादक-पुरेन्द्र देशमुख। फोन : 07883558190, मो. 9425228630